



भारत का राजपत्र The Gazette of India.

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 172]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 19, 1980/ज्येष्ठ 29, 1902

No. 172]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 19, 1980/JYAISTHA 29, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

अधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

(1) के अधीन उन पर उद्ब्रूणीय उनमें विशेष उत्पादन-शुल्क से छूट
देती है जितना इस प्रकार प्रभावी उत्पाद-शुल्क के संबंध में केन्द्रीय
सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय
उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन
ऐसे माल पर प्रभावी उत्पाद-शुल्क की रकम के पांच प्रतिशत से अधिक
है।

[सं० 69/80-सी ई]

सां०का०सि० 316(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980
(1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और
नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की सब
सं० 1, 1क, 1ख, 1ग, 1घ, 1ङ, 2(2), (4)II(1), 4II(3),
4II(4), 4II(5), 4II(6), 4II(7), 10, 11, 11क(1), 11क
(3), 11क(4), 11क(5), 11ग, 12, 14, 14क, 14कक, 14ख
14खख, 14ग, 14घ, 14घघ, 14ङ, 14ज, 14जज, 14छ, 14ज,
14जज, 15, 15क, 15कक, 15ख, 15ग, 15घ, 16क, 16ख,
17, 22ग, 22क, 22छ, 23क, 23ख, 23ग, 28क, 29, 29क, 30,
30क, 30ख, 31, 32, 33, 33क, 33ख, 33ग, 33घ, 33घघ,
33क, 33ज, 34, 34क, 34ख, 36, 37क, 37कक, 37ख, 37ग,
40, 44, 45, 46, 48, 49, 50, 51, 51क, 52, 53, 54, 55,
56, 57, 58, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66 और 67 के अन्तर्गत
आने वाले माल को, उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 19th June, 1980

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 316(E).—In exercise of the powers conferred by
sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944,
read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act,
1980 (13 of 1980), the Central Government hereby exempts
the goods falling under Items Nos. 1, 1A, 1B, 1C, 1D, 1E,
2(2), 4II(1), 4II(3), 4II(4), 4II(5), 4II(6), 4II(7), 10, 11,
11A(1), 11A(3), 11A(4), 11A(5), 11C, 12, 14, 14A, 14AA,
14B, 14BB, 14C, 14D, 14DD, 14E, 14F, 14FF, 14G, 14H,
14HH, 15, 15A, 15AA, 15B, 15CC, 15D, 16A, 16B, 17,
22C, 22E, 22G, 23A, 23B, 23C, 28A, 29, 29A, 30, 30A, 30B,
31, 32, 33, 33A, 33B, 33C, 33D, 33DD, 33E, 33F, 34, 34A,
34B, 36, 37A, 37AA, 37B, 37C, 40, 44, 45, 46, 48, 49, 50,
51, 51A, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 60, 61, 62, 63,
64, 65, 66 and 67 of the First Schedule to the Central Excises

and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from so much of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 5 of the said Finance Act as is in excess of five per cent. of the amount of duty of excise chargeable on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable.

[No. 69/80-CE]

सांकांनि० 317(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13), की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे पालीबुटाडिन रबड़ को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 16कक के अन्तर्गत आता है और जिसका विनिर्माण ऐसे कच्चे नेफ्था या उससे व्युत्पन्न किसी रसायन से किया जाता है जिस पर उत्पाद-शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संदाय कर दिया गया है, उक्त वित्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना इस प्रकार प्रभावी उत्पाद-शुल्क के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन ऐसे पालीबुटाडिन रबड़ पर प्रभावी उत्पाद-शुल्क के पांच प्रतिशत से अधिक है।

[सं० 70/80-सी ई]

G.S.R. 317(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby exempts polybutadiene rubber, falling under Item No. 16AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured from raw naphtha or any chemical derived therefrom, on which the appropriate amount of duty of excise has already been paid, from so much of the special excise duty leviable thereon under sub-section (1) of section 5 of the said Finance Act as is in excess of five per cent. of the duty of excise chargeable on such polybutadiene rubber under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable.

[No. 70/80-CE]

सांकांनि० 318(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 6, 7, 8, 9, 11क(2), 11क, 13, 38 और 68 के अन्तर्गत आने वाले माल को, उक्त वित्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

[सं० 71/80-सी ई]

G.S.R. 318(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby exempts the goods, falling under Items Nos. 6, 7, 8, 9, 11A(2), 11E, 13, 38 and 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the special duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 5 of the said Finance Act.

[No. 71/80-CE]

सांकांनि० 319(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे उत्पाद-शुल्क माल को जो पूर्वोक्त धारा के अधीन विशेष उत्पाद-शुल्क के लिए बायी है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने विशेष उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उनके विनिर्माण में प्रयुक्त ऐसे अन्य उत्पाद-शुल्क माल पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् मध्यवर्ती उत्पाद कहा गया है) पहले ही संदाय विशेष उत्पाद-शुल्क के, यदि कोई हो, समतुल्य है।

परन्तु इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट केवल उन्हीं माल को लागू होगी जिनकी बाबत केन्द्रीय सरकार द्वारा उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से उन्हें छूट देते हुए जितना संबंधित अधिसूचनाओं में विनिर्दिष्ट मध्यवर्ती उत्पाद पर पहले ही संदाय उत्पाद-शुल्क की रकम के समतुल्य है, पूर्वोक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन अधिसूचनाएं जारी की गई हैं।

2. यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 72/80-सी ई]

G.S.R. 319(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby exempts excisable goods which are liable to special duty of excise under the aforesaid section from so much of the special duty of excise leviable thereon as is equivalent to the special duty of excise already paid, if any, on other excisable goods (hereinafter referred to as the intermediate products) used in their manufacture.

Provided that the exemption contained in this notification shall be applicable only to those goods, in respect of which notifications under sub-rule (1) of rule 8 of the aforesaid rules have been issued by the Central Government exempting them from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the amount of duty of excise already paid on the intermediate products specified in the respective notifications.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of July, 1980.

[No. 72/80-CE]

सांकांनि० 320(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाएं विखण्डित करती है, अर्थात्:—

1. सं० 21/80—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980
2. सं० 24/80—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980
3. सं० 26/80—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1980

[सं० 73/80-सी ई]

टी० आर० रुस्तगी, प्रवर सचिव,

G.S.R. 320(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), namely:—

1. No. 21/80-Central Excises, dated the 25th March, 1980.
2. No. 24/80-Central Excises, dated the 25th March, 1980.
3. No. 26/80-Central Excises, dated the 25th March, 1980.

[No. 73/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

सां.कां.निं० 321(अ);—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 197/62 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 नवम्बर, 1962 में निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उपाख्य सारणी के स्तम्भ (2) में, क्रम सं० 1 के सामने,—

- (i) तांबा और तांबा मिश्रधातु जिसमें तांबा भार के आधार पर 50 प्रतिशत से कम नहीं है” प्रविष्टि के स्थान पर “तांबा” प्रविष्टि रखी जाएगी; और
- (ii) अन्त में निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—
“मोर”।

[सं० 74/80 सीई]

जी० के० पिल्लै, अवर सचिव

G.S.R. 321(E).—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely:—

In the Table annexed to the said notification in column (2), against Serial No. 1,—

- (i) for the entry “Copper and Copper Alloys containing not less than 50 per cent by weight of copper” the entry “Copper” shall be substituted; and
- (ii) the following entry shall be inserted at the end, namely:—
“Molasses”.

[No. 74/80-CE]

G. K. PILLAI, Under Secy.

नई दिल्ली 19 जून, 1980

सां.कां.निं० 322(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 56-क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 223/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 दिसम्बर, 1962 में निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

- (i) मर 13 के स्थान पर, निम्नलिखित मर रखी जाएगी, अर्थात्:—
“13. तांबा”; और
- (ii) मर 50 के पश्चात् निम्नलिखित मर अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“51. सेतुलों ब्यत्ताओं की या अन्य कृत्रिम प्लास्टिक सामग्रियों का जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं है, विनिर्दिष्ट मर 50 के स्थान पर, निम्नलिखित मर रखी जाएगी, अर्थात्:—

52. आयात किए गए मोल्टिन पाउडर से पूर्णतः या भाग्यतः विनिर्मित नाइलॉन सूत जो मछली पकड़ने के जाल और पैराशूट की रस्मियों के विनिर्माण में प्रयोग किए जाने के लिए अग्रप्राप्य हैं।

53. घरेलू बिजुत माधियन जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं है।

54. सभी प्रकार के कंप्यूटर (जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय प्रसंस्करण एकक और उपाय युक्तियाँ हैं)।

55. टेप रिकार्डर (जिनके अन्तर्गत कैसट रिकार्डर और टेप डेक हैं) और टेप प्लेयर (जिनके अन्तर्गत कैसट प्लेयर हैं)।”

[सं० 75/80 सी ई]

टी० आर० रुस्तगी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1980

G.S.R. 322(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 223/62-Central Excises dated the 29th December, 1962, namely:—

In the said notification,—

- (i) for item 13, the following item shall be substituted, namely:—

“13. Copper”; and

- (ii) after item 50, the following items shall be inserted, namely:—

“51. Textile fabrics impregnated, coated or laminated with preparations of cellulose derivatives or of other artificial plastic materials not elsewhere specified.

52. Nylon yarn manufactured wholly or partly out of imported moulding powder, meant for use in the manufacture of fishing nets and parachute cords.

53. Domestic electrical appliances, not elsewhere specified.

54. Computers (including central processing units and peripheral devices), all sorts.

55. Tape recorder (including cassette recorders and tape decks) and Tape players (including cassette players).”

[No. 75/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

सां.कां.निं० 323 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व और वीमा विभाग अथवा राजस्व विभाग अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की, यथास्थिति, अधिसूचना सं० 171/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 जून, 1969, 121/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 28 मई, 1970, 179/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 23 सितम्बर, 1971 195/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 12 नवम्बर, 1971, 117/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1972, 161/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 अगस्त, 1973, 33/76 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1976, 188/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जन, 1977, 69/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च, 1978 और 97/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 के अनुक्रम में निम्नलिखित उत्पाद-शुल्क माल को ऐसे उत्पाद-शुल्क माल के रूप में और विनिर्दिष्ट करती है जिसको उक्त नियमों के अध्याय 7क के उपबन्ध लागू होंगे, अर्थात्:—

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 15ग में समाविष्ट माल।

[सं० 76/80 सी ई]

जी० के० पिल्लै, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1980

G.S.R. 323(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 173A of the Central Excise Rules, and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue Insurance or Department of Revenue or Department of Banking, as the case may be, Nos. 171/69-

Excises, dated the 21st June, 1969, 121/70-Central Excises, dated the 28th May, 1970, 179/71-Central Excises, dated the 23rd September, 1971, 195/71-Central Excises, dated the 12th November, 1971, 117/72-Central Excises, dated the 25th March, 1972, 161/73-Central Excises, dated the 16th August, 1973, 33/76-Central Excises, dated the 28th February, 1976, 188/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, 69/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978 and 97/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby further specifies the following excisable goods as excisable goods to which the provisions of Chapter VII-A of the said rules shall apply, namely :—

The goods comprised in Item No. 15CC of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

[No. 76/80-CE]

G. K. PILLAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

सांकांमि० 324 (घ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 211/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 अक्टूबर, 1975 को अधिस्तान्त करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मव सं० 4 की उपमव II(3) (ii) के अन्तर्गत आने वाली "अन्य बीड़ियों" को उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से तब तक छूट देती है जब तक ऐसी बीड़ियों को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 83/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 के अधीन, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त रहती है और किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से बरेलू उपयोग के लिए ऐसी बीड़ियों की निकासी किसी वित्तीय वर्ष में 24 लाख से अधिक नहीं होती।

[सं० 77/80 सीई]

New Delhi, the 19th June, 1980

G.S.R. 324(E).—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 211/75-Central Excises, dated the 11th October, 1975, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules "other biris" falling under sub-item II(3)(ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) so long as such biris remain exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 83/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 and the clearances of such biris for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories do not exceed 24 lakhs in a financial year.

[No. 77/80-CE]

सांकांमि० 325 (अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 8/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 जनवरी, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) सारणी में, क्रम सं० 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)
"2.	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पैनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जो भारतीय मानक संस्था के सुसंगत भा० भा० मानक के अनुरूप है,	10.60
2क.	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पैनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जिसका प्रवाय उसके विनिर्माता द्वारा किसी चाय के कारखाने को सीधे किया जाता है।	10.60

(ख) स्पष्टीकरण 1 के खंड (iii) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

- (iii) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पैनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जो भारतीय मानक संस्था के सुसंगत भा० भा० मानक के अनुरूप है (उक्त सारणी के क्रम सं० 2 में निर्दिष्ट) ;
- (iv) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पैनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जिसका प्रवाय उसके विनिर्माता द्वारा किसी चाय के कारखाने को सीधे किया जाता है (उक्त सारणी के क्रम सं० 2क में निर्दिष्ट)।"

[सं० 78/80 सीई]

G.S.R. 325(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 8/79-Central Excises, dated the 3rd January, 1979, namely :—

In the said notification,—

- (a) in the Table, for S. No. 2 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3
"2.	Plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and which conforms to the relevant IS Standard of the Indian Standards Institution.	10.60
2A.	Plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and supplied by the manufacturer thereof directly to a tea factory	10.60";

- (b) in Explanation I, for clause (iii), the following clauses shall be substituted, namely :—

"(iii) Plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and which conforms to the relevant IS Standard of the Indian Standards Institution (referred to in Serial No. 2 of the said Table);

- (iv) Plywood for tea chests when cut to size in panels or shocks and packed in sets and supplied by the manufacturer thereof directly to a tea factory (referred to in Serial No. 2A of the said Table)."

[No. 78/80-CE]

सांकां.निं. 326(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 177/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 4 अक्टूबर, 1978 को अधिकांश करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के माल को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की ऐसी मव संख्या जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, के अन्तर्गत आते हैं, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उक्त शुल्क से अधिक है।

सारणी

क्रम केन्द्रीय उत्पाद- सं. शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की प्रथम अनु- सूची की मव सं.	वर्णन	अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क
(1)	(2)	(3)
1.	19 III	संसेजित, लेपित या पटलित सूती फैब्रिक
2.	19 IV	टैक्सटाइल फ्लाकों से या टैक्सटाइल फ्लाकों को अन्तर्विष्ट करने वाली निर्मितियों से भागतः या पूर्णतः आबुल सूती फैब्रिक
3.	22(3)	संसेजित, लेपित या पटलित कृत्रिम फैब्रिक
4.	22(4)	टैक्सटाइल फ्लाकों से या टैक्सटाइल फ्लाकों को अन्तर्विष्ट करने वाली निर्मितियों से भागतः या पूर्णतः आबुल कृत्रिम फैब्रिक

[सं. 79/80 सी.ई.]

टी० आर० रुस्तगी, प्रवर सचिव

G.S.R. 326 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), and in supersession of the notification of the Government of India

in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.177/78-Central Excises, dated the 4th October, 1978, the Central Government hereby exempts the goods of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the Item Number of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, from so much of the additional duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the first mentioned Act as is in excess of the said duty specified in the corresponding entry in column (4) thereof.

TABLE

S. No.	Item No. of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.	Description	Additional duty of excise
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	19III	Cotton fabrics impregnated, coated or laminated	The duty for the time being leviable on base fabrics, if not already paid.
2.	19IV	Cotton fabrics covered partially or fully with textile flocks or with preparations containing textile flocks	The duty for the time being leviable on base fabrics, if not already paid.
3.	22(3)	Man-made fabrics impregnated, coated or laminated	Nil
4.	22(4)	Man-made fabrics covered partially or fully with textile flocks or with preparations containing textile flocks	Nil

[No. 79/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

सांकां.निं. 327(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 71/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 को अधिकांश करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट वर्णन के उत्पाद-शुल्क माल को (जिसे इनमें इसके पश्चात् "विनिर्दिष्ट माल" कहा गया है), और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की ऐसी मव संख्या के अन्तर्गत आता है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) के तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, और जिसकी निकासी किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से किसी विश्व वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् घरेलू उपयोग के लिए की जा है,—

- (क) पांच लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य तक विनिर्माता की प्रथम निकासी की वशा में, उस पर उद्ग्रहण समस्त उत्पाद-शुल्क से ; और

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट मूल्य की समतुल्य प्रथम निकासी की ठीक समतुल्य निकासी की वषा में (जो दस लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य के विनिर्दिष्ट माल की निकासी है), [केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्काल प्रवृत्त किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित] उक्त मद के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उत्तम उत्पाद-शुल्क से जितना ऐसे शुल्क के पश्चात्तर प्रतिशत से अधिक है,

छूट देती है :

परन्तु उक्त सारणी की क्रम सं० 7 और 18 के सामने विनिर्दिष्ट वर्णन के माल की बाबत, इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट, 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, इस पैरा के खंड (क) और (ख) के आधार पर क्रमशः चार लाख रुपये और छठ लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य तक उक्त माल की निकासी की लागू होगी :

परन्तु यह और कि उक्त सारणी की क्रम सं० 24 के सामने विनिर्दिष्ट वर्णन के माल की बाबत (जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 71/78—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 से उपलब्ध सारणी की क्रम संख्या 22 के सामने विनिर्दिष्ट वर्णन के माल से मिल है) और जो इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट के लिए प्रथम बार 19 जून, 1980 से प्राप्त हो गया है, इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान कागज और कागज बोर्ड की ऐसी किस्मों की निकासी को इस पैरा के खंड (क) और खंड (ख) के आधार पर क्रमशः चार लाख रुपये और छठ लाख रुपये से अधिक के कुल मूल्य तक लागू होगी।

2. इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

(i) यदि विनिर्दिष्ट माल का कुल मूल्य जिसकी निकासी, यदि कोई हो, बरेलू उपयोग के लिए पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से की जाती है, पन्द्रह लाख रुपये से अधिक हो गया हो ;

(ii) जो उक्त प्रथम अनुसूची की एक से अधिक मद संख्या के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद-शुल्क माल का विनिर्माण करता है और उसके द्वारा या उसकी ओर से बरेलू उपयोग के लिए एक या अधिक कारखानों से निकासी किए गए सभी उत्पाद-शुल्क माल का कुल मूल्य पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान बीस लाख रुपये से अधिक हो गया हो।

3. जहाँ किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी विनिर्दिष्ट माल की निकासी नहीं की है, या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार किसी ऐसे माल की निकासी की है जहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट ऐसे विनिर्माता को तभी लागू होगी जब वह सहायक उत्पाद-शुल्क कलेक्टर के पास इस आशय की प्रतीति-पत्रिका कर देता है कि वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी किए गए ऐसे माल का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है और वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी किए गए ऐसे माल का कुल मूल्य पन्द्रह लाख रुपये से अधिक नहीं है।

4. जहाँ विनिर्दिष्ट माल का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी वित्तीय वर्ष में भिन्न-भिन्न समयों पर भिन्न-भिन्न विनिर्माताओं द्वारा चलाया जाता है वहाँ किसी ऐसे वर्ष में ऐसे कारखाने से इस प्रकार निकासी किए गए विनिर्दिष्ट माल का कुल मूल्य पैरा 1 के खंड (क) और (ख) के आधार पर क्रमशः पाँच लाख रुपये और दस लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण 1 :—यथास्थिति, किसी वित्तीय वर्ष के दौरान या पैरा 1, 2 और 3 में विनिर्दिष्ट अवधियों के दौरान की गई निकासी के कुल मूल्य की संगणना उक्त सारणी की प्रत्येक क्रम संख्या की प्रथम प्रत्येक अवधि की जाएगी और प्रत्येक ऐसी क्रम संख्या की बाबत उक्त क्रम संख्या के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट सभी माल का कुल मूल्य हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2 :—इस अधिसूचना के पैरा 1 के खंड (क) के अधीन वित्तीय वर्ष 1980-81 के दौरान की गई निकासी के कुल मूल्य की गणना करने के प्रयोजनों के लिए, ऐसी निकासी का मूल्य जिसकी बाबत किसी विनिर्माता ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 71/78—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 के अधीन छूट का लाभ उठा लिया है, हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 3 :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य" शब्द से वह मूल्य अभिप्रेत है जिसका अवधारण, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबन्धों के अनुसार या उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन नियत या परिवर्तित टैरिफ मूल्यों के अनुसार किया जाता है।

स्पष्टीकरण 4 :—इस अधिसूचना के अधीन की गई निकासी के मूल्य का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, उक्त सारणी की क्रम संख्या 28 के सामने विनिर्दिष्ट वर्णन के माल की बाबत जहाँ कोई विनिर्माता केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या खादी और ग्रामोद्योग द्वारा संचालित भाण्ड विकास केंद्र की या उसके द्वारा अनुरक्षित किसी भट्ठी में चीनी मिट्टी के सामान या पोर्सिलेन के सामान की या दोनों की पकवाता है वहाँ उक्त विनिर्माता के चीनी मिट्टी के सामान या पोर्सिलेन के सामान का या दोनों का, जो ऐसी भट्ठी में पकवाए गए हैं, मूल्य हिसाब में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 5 :—इस अधिसूचना के अधीन की गई निकासी के कुल मूल्य की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, किसी विनिर्दिष्ट माल की ऐसी निकासी जो उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्काल प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा छूट प्राप्त है, हिसाब में नहीं ली जाएगी।

सारणी :

क्रम सं०	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की प्रथम अनुसूची की मद सं०	उत्पाद-वर्णन
(1)	(2)	(3)
1.	1क	मिष्ठान (कम्पैकशनरी)।
2.	1ख	तैयार किए गए या परिरक्षित खाद्य।
3.	1ग	खाद्य उत्पाद।
4.	1घ	वातित जल।
5.	12	वनस्पति भ्रूषावशील तेल।
6.	14	वर्णक, रंग, पेंट, इनेमल, वार्निश, कालिख और सैलुलोज लैकर।
7.	14क(1)	केलशियम कार्बाइड, ब्लोचिंग पेंट, और ब्लोचिंग पाउडर तथा सोडियम का कार्बाइड।
8.	14खख	सोडियम सिलिकेट।

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
9.	14ग	विलसरीन ।			ऐसे विद्युत् रोधकों या विद्युत् रोधी फिटिंगों के भाग नहीं हैं ।
10.	14घ	संश्लिष्ट कार्बनिक रंजकपदार्थ (जिनमें वर्णक रंजक पदार्थ भी हैं) और संश्लिष्ट कार्बनिक उत्पाद जो किसी रंजन प्रक्रिया में प्रयोग में लाए जाते हैं ।	28.	23ख	सभी प्रकार की चीनी मिट्टी का सामान और पोसिलेन का सामान (जिसके अन्तर्गत विद्युत्-रोधक या विद्युत् रोधी फिटिंग अथवा ऐसे विद्युत् रोधकों या विद्युत् रोधी फिटिंगों के भाग नहीं हैं) ।
11.	14घ	ऐसी किस्म के संश्लिष्ट कार्बनिक उत्पाद जिनका प्रयोग कार्बनिक संश्लेषकों के रूप में किया जाता है ; ऐसे किस्म के उत्पाद जो प्रकाश विरंजन कर्मकों के रूप में जाने जाते हैं और रेशे के लिए मुख्य होते हैं ।	29.	23ग	सभी प्रकार के ऐस्बेस्टास सीमेंट उत्पाद जिनके अन्तर्गत चपटी और गालीदार आवरे, पाइप और ट्यूब तथा टाइल हैं ।
12.	14ङ	पेटेंट या मान्यता प्राप्त औषधियाँ ।	30.	28क	सभी प्रकार की विद्युत् मुद्राकन और पट्टिकाएँ ।
13.	14च	प्रसाधन सामग्री और प्रसाधन निमित्तियाँ ।	31.	29]	सभी प्रकार के अन्तर्वहन इंजन ।
14.	14च	दूध पेस्ट (जिनके अन्तर्गत ब्रन्ड क्रीम भी है) ।	32.	29क	सभी प्रकार के प्रशीतन और वातामूलन माधिय और मशीनरी और उनके पुर्जें ।
15.	14छ	सभी प्रकार की नावटिक, हाइड्रोलॉजिक और सल्फ्यूरिक अम्ल (जिनके अन्तर्गत सर्वसम अम्ल और उनके ऐनहाइड्राइड भी हैं) ।	33.	30	सभी प्रकार की विद्युत् मोटर और उनके पुर्जें ।
16.	14ज	गैस, जिनके अन्तर्गत द्रवित और पिंडित गैसें भी हैं ।	34.	30क	दस पदार्थों के लिए शक्ति चालित पम्प (जिनके अन्तर्गत मोटर पम्प, टर्बो पम्प और मोनो-ब्लॉक पम्पसेट हैं), चाहे उनमें मापक यंत्र फिट किए हुए हों या नहीं ।
17.	15	साबुन ।	35.	30ख	मोटर स्टार्टर ।
18.	15क(1)	कृत्रिम या संश्लिष्ट रेजिन और प्लास्टिक नामची और मैल्मीनोस एंस्टर और ईथर ।	36.	31	विद्युत् बैटरियाँ और उनके पुर्जें ।
19.	15कक	कार्बनिक पृष्ठ-सक्रिय कर्मक (साबुन से भिन्न), पृष्ठ-सक्रिय निमित्तियाँ और धुलाई के लिए निमित्तियाँ चाहे उनमें साबुन हो या नहीं ।	37.	32	विद्युत् प्रकाश बल्ब और फ्लोरोसेंट प्रकाश ट्यूब ।
20.	15ग	सभी प्रकार के स्टाच (जिसमें डेस्ट्रुइन और अन्य प्रकार के रूपान्तरित स्टाच भी हैं) ।	38.	33	सभी प्रकार के बिजली के पंखे, जिनके अन्तर्गत बिजली के पंखों के रैगुलेटर भी हैं ।
21.	15घ	जूते, फर्नीचर, फर्श, चमड़ा, धातु, मोटरवाहन और कांच के लिए पॉलिश और क्रीम ; मांजरे के पाउडर और पेस्ट ।	39.	33ख	सभी प्रकार के बिजली के तार और केबल जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं ।
22.	16क	रबड़ उत्पाद ।	40.	33ग	बरेलू विद्युत् माधिय जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं ।
23.	16ख	प्लाईवुड, ब्लॉकबोर्ड, मिमिनबोर्ड, वैटनबोर्ड, सख्त या नरम दीवार बोर्ड या रोधी बोर्ड और प्लेलेपिन पैनल चाहे उनमें लकड़ी से भिन्न कोई सामग्री हो या नहीं, लकड़ी के कोशिकीय पैल, लकड़ी की लुगरी या बनस्पति काष्ठ के इमारती बोर्ड, चाहे वे प्राकृतिक या कृत्रिम रेजिन या रेशे ही मीजकों से जुड़े हों या नहीं, और कृत्रिम या पुनर्गठित काष्ठ जो लकड़ी की छीलन, लकड़ी की चिप, लकड़ी का बुरादा, लकड़ी का चूर्ण, या अन्य काष्ठिय अवशिष्ट जो प्राकृतिक या कृत्रिम रेजिन या अन्य कार्बनिक योजक पदार्थों से चादरों, ब्लाकों, बोर्डों या रेशे ही पदार्थों के रूप में संश्लिष्ट हों ।	41.	33घ	कार्यालय की मशीनें और साधन, जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं हैं ।
24.	17	सभी प्रकार का कागज या कागज बोर्ड ।	42.	33ङ	विद्युत् प्रदाय मोटर ।
25.	22क	टाइपराइटर के और वैसे ही रिबन चाहे वे जरूरी पर चढ़े हों या नहीं ।	43.	34	ट्रैलर ।
26.	22ख	ऐस्बेस्टास फाइबर और सूत ।	44.	34क	मोटरवानों और ट्रैक्टरों के (जिनके अन्तर्गत ट्रैलर हैं) पुर्जें और उपसाधन ।
27.	23क	कांच और कांच का सामान (जिसके अन्तर्गत विद्युत् रोधक या विद्युत् रोधी फिटिंग अथवा	45.	34ख	बैंगनोहित संकर्म द्रुक जिनका प्रयोग घोड़ी दूरी के परिवहन या भार लावने-उतारने के लिए किया जाता है ।
			46.	37ख	चलचित्र प्रक्षेपित्र और उनके पुर्जें ।
			47.	37ग	फोटोग्राफिक साधन और माल ।
			48.	40	इस्पात से भागतः या पूर्णतः बना हुआ इस्पात का फर्नीचर चाहे वह अर्धसजित दशा में हो या अर्धसजित दशा में (किन्तु इस्पात के बने छांबेदार कोणों और नालियों (चैनलों) को छोड़कर) ।
			49.	41	आउट-कार्क, चाहे उनमें कागज या अन्य फिटिंग हों या नहीं ।
			50.	42	सभी प्रकार के प्लेफर मूक इन्कन, चाहे उ बाह्य या अन्य फिटिंग हों या नहीं ।

(1)	(2)	(3)
51.	44	हाथ की बढ़िया, बोवाल बढ़िया और टाइमपीस, जो मुख्यतया समय दिखाने के लिए डिज़ाइन की गई हों।
52.	45	वजन का अवधारण करने के लिए मशीनरी और साधन जिनके अन्तर्गत तौल पटन के पुर्जे भी हैं।
53.	46	घातुओं के भाषान जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं हैं।
54.	48	आधार घातु के सेफ, तिजोरी, स्ट्रांग रूम लार्निंग और स्ट्रांग रूम के दरवाजे, (चाहे उनमें चौखट हो या नहीं) तथा नक्की और बिलेख रहने वाले बक्से तथा वैसी ही चीजें।
55.	49	सभी प्रकार के रोलिंग बेयरिंग, अर्थात् बाल या रोलर बेयरिंग।
56.	50	सभी प्रकार के वैल्विंग इलेक्ट्रोड।
57.	51	लेपित अवघर्षक और चक्कियाँ।
58.	51क	घोजार।
59.	52	आधार घातु या उनकी मिश्र घातुओं के चूड़ीदार या टेप किए हुए, बोल्ट और हिब्रिया तथा पेंच।
60.	53	जिप या स्लाइड बन्धक और उनके भाग।
61.	54	प्रकार कुस्कर।
62.	55	निर्यात प्लास्क और अन्य निर्यात-पात्र तथा उनके भाग।
63.	56	ताग।
64.	57	कपूर।
65.	58	मैन्थाल।
66.	60	सभी प्रकार के आसंजक टेप जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं हैं जिनके अन्तर्गत सेलुलोस आसंजक टेप और पेपर बैंक आसंजक टेप भी हैं।
67.	61	विद्युत प्रकाश फिटिंग।
68.	62	टंस्टन, मालिबेनेम और मैनेडियम जैसी घातुओं के मिन्दरित कार्बाइड के किसी भी रूप या आकार के बिना सिरे वाले दूध टिप।
69.	63	तार के रस्से।
70.	64	कार्बन ब्लैक (जिनके अन्तर्गत लेम्प ब्लैक और एमिटलीन ब्लैक भी हैं)।
71.	65	रबड़ प्रसंस्करण रसायन।
72.	66	स्थायी चुम्बक।

[सं० 80/80 सी.ई.]

ग० पी० सुधीर, प्रवर सचिव।

New Delhi, the 19th June, 1980

NOTIFICATION CENTRAL EXCISES

G.S.R. 327(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 71/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, the Central Government hereby exempts the excisable goods of the description specified in column (3) of the Table hereto annexed (hereinafter referred to as the "specified goods"), and falling under such Item Number of the First Schedule

to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, and cleared for home consumption on or after the 1st day of April in any financial year, by or on behalf of a manufacturer from one or more factories,—

(a) in the case of first clearances of the specified goods upto an aggregate value not exceeding rupees five lakhs, from whole of the duty of excise leviable thereon; and

(b) in the case of the clearances (being clearances of the specified goods of an aggregate value not exceeding rupees ten lakhs) immediately following the said first clearances of the value specified in clause (a) from so much of the duty of excise leviable thereon under the said item (read with any relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in force for the time being) as is in excess of seventy five per cent of such duty :

Provided that in respect of the goods of the description specified against serial numbers 7 and 18 of the said Table, the exemption contained in this notification shall, during the period commencing on the 19th June, 1980 and ending on the 31st March, 1981, be applicable to clearances of the said goods upto an aggregate value not exceeding rupees four lakhs and rupees eight lakhs respectively in terms of clauses (a) and (b) of this paragraph :

Provided further that in respect of goods of the description specified against serial number 24 of the said Table (other than the goods of the description specified against serial number 22 of the Table annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 71/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978), and which have become eligible to the exemption contained in this notification for the first time with effect from the 19th June, 1980, the exemption contained in this notification shall, during the period commencing on 19th June, 1980 and ending on the 31st March, 1981, be applicable to clearances of such varieties of paper and paper board upto an aggregate value not exceeding rupees four lakhs and rupees eight lakhs respectively in terms of clauses (a) and (b) of this paragraph.

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer—

(i) if the aggregate value of clearances of the specified goods, if any, by him or on his behalf, for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees fifteen lakhs;

(ii) who manufactures excisable goods falling under more than one item Number of the said First Schedule and the aggregate value of clearances of all excisable goods by him or on his behalf for home consumption, from one or more factories, during the preceding financial year, had exceeded rupees twenty lakhs.

3. Where a manufacturer has not cleared any specified goods in the preceding financial year, or has cleared by any such goods for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the aggregate value of clearances of such goods during the financial year is not likely to exceed rupees fifteen lakhs and if the aggregate value of such goods cleared during the financial year does not exceed rupees fifteen lakhs.

4. Where a factory producing the specified goods is run at different times during financial year by different manufacturers, the aggregate value of clearances of the specified goods from such factory in any such year shall not exceed rupees five lakhs and rupees ten lakhs respectively in terms of clauses (a) and (b) of paragraph 1.

Explanation I.—The aggregate value of clearances made during any financial year, or as the case may be, during the periods specified in paragraphs 1, 2 and 3 shall be computed separately in respect of each serial number of the said Table and in respect of each such serial number, the aggregate value of all the goods specified in column (3) of the Table against the said serial number, shall be taken into account.

Explanation II.—For the purpose of calculating the aggregate value of clearances under clause (a) of paragraph 1 of this notification, during the financial year 1980-81, the value of clearances in respect of which a manufacturer has availed of the exemption under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 71/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978 shall be taken into account.

Explanation III.—For the purposes of this notification the expression 'value' means either the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or, as the case may be according to the tariff values fixed or altered under section 3 of the said Act.

Explanation IV.—For the purposes of determining the value of clearances under this notification, in respect of the goods of the description specified against serial number 28 of the said Table, where a manufacturer gets his Chinaware or Porcelainware or both fired in a kiln belonging to or maintained by a Pottery Development Centre run by the Central Government or a State Government or by the Khadi and Village Industries Commission, the value of the Chinaware or Porcelainware or both, belonging to the said manufacturer and fired in such a kiln, shall be taken into account.

Explanation V.—For the purposes of computing the aggregate value of clearances under this notification, the clearances of any specified goods, which are exempted from whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and for the time being in force, shall not be taken into account.

TABLE

S.No.	Item No. in the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944	Description
(1)	(2)	(3)
1.	1A	Confectionery.
2.	1B	Prepared or preserved Foods.
3.	1C	Food products.
4.	1D	aerated Waters.
5.	12	Vegetable Non-essential Oils
6.	14	Pigment, Colours, Paints, Enamels, Varnishes Blacks and Cellulose Lacquers.
7.	14AA(1)	Calcium carbide, bleaching paste and bleaching powder and bichromate of sodium.
8.	14BB	Sodium Silicate.
9.	14C	Glycerine.
10.	14D	Synthetic Organic Dyestuffs (including pigment dyestuffs) and Synthetic Organic Derivatives used in any dyeing process.
11.	14DD	Synthetic Organic Products of a kind used as Organic Lumino-phores; products of the kind known as optical bleaching agents substantive to the fibre.
12.	14E	Patent or Proprietary Medicines.
13.	14F	Cosmetics and Toilet preparations.
14.	14FF	Tooth-Paste (including Dental Cream).
15.	14G	Nitric, Hydrochloric and Sulphuric Acids (including fuming acids and anhydrides thereof), all sorts.

(1)	(2)	(3)
16.	14H	Gases, including liquefied or solidified gases.
17.	15	Soap.
18.	15A(1)	Artificial or synthetic resins and plastic materials and cellulose esters and ethers.
19.	15AA	Organic Surface-Active Agents (other than soap) surface active preparations and washing preparations, whether or not containing soap.
20.	15C	Starch (including Dextrin and other forms of modified Starch), all sorts.
21.	15D	Polishes and creams for footwear, furniture, floors, leather, metals, motor vehicles and glass; scouring powders and pastes.
22.	16A	Rubber Products.
23.	16B	Plywood, Blockboard, laminboard, Battenboard, Hard or soft wall boards or insulating board and veneered panels; whether for not containing any material other than Wood, cellular wood panels; building boards of wood pulp or vegetable fibres, whether or not bonded with natural or artificial resins or with similar binders; and artificial or reconstituted wood being wood shavings, wood chips, saw dust, wood flour or other ligneous waste, agglomerated with natural or artificial resins or other organic binding substances, in sheets, blocks, board or the like.
24.	17	Paper and paper board, all sorts.
25.	22E	Typewriter and similar Ribbons, whether or not on spools.
26.	22F	Asbestos Fibre and yarn.
27.	23A	Glass and Glassware (excluding electrical insulators or electrical insulating fittings or parts of such insulators or insulating fittings).
28.	23B	Chinaware and Porcelaniware, all sorts (Excluding electrical insulators or electrical insulating fittings or parts of such insulators or insulating fittings).
29.	23C	Asbestos Cement Products, all sorts, including flat and corrugated sheets and pipes and tubes and tiles.
30.	28A	Electrical Stampings and Laminations, all sorts.
31.	29	Internal Combustion Engines, all sorts.
32.	29A	Refrigerating and Air-conditioning Appliances and Machinery, all sorts, and parts thereof.
33.	30	Electric Motors, all sorts; and parts thereof.

(1)	(2)	(3)
34.	30A	Power Driven Pumps (including motor pumps, turbo-pumps and monobloc pump sets) for liquids, whether or not fitted with measuring devices.
35.	30B	Motor Starters.
36.	31	Electric Batteries and Parts thereof.
37.	32	Electric lighting Bulbs and Fluorescent Lighting Tubes.
38.	33	Electric Fans including Regulators for Electric Fans, all sorts.
39.	33B	Electric Wires and Cables, all sorts, not otherwise specified.
40.	33C	Domestic Electrical appliances, not elsewhere specified.
41.	33D	Office Machines and apparatus, not elsewhere specified.
42.	33E	Electricity Supply Meters.
43.	34	Trailers.
44.	34A	Parts and Accessories of Motor Vehicles and Tractors, including Trailers.
45.	34B	Works Trucks, mechanically propelled, used for short distance transport or handling of goods.
46.	37B	Cinematograph Projectors and parts thereof.
47.	37C	Photographic Apparatus and goods
48.	40	Steel furniture made partly or wholly of steel whether in assembled or unassembled condition (but excluding slotted angles and channels made of steel).
49.	41	Crown Corks, with or without washers or other fittings.
50.	42	Pilfer Proof Caps for packaging, all sorts, with or without washers or other fittings.
51.	44	Watches, clocks, and Time Pieces, Primarily designed to show the time of day.
52.	45	Machinery and Appliances for determination of weight including parts of weight bridges.
53.	46	Metal containers not elsewhere specified.
54.	48	Safes, strong Boxes, Strong-room linings and strong-room doors (whether or not with door frames), and cash and deed boxes and the like, of base metal.
55.	49	Rolling Bearings, that is to say, Ball or Roller Bearings, all sorts.
56.	50	Welding Electrodes, all sorts.
57.	51	Coated Abrasives and Grinding Wheels.
58.	51A	Tools.

(1)	(2)	(3)
59.	52	Bolts and Nuts, Threaded or Tapped, and Screws, of base metal or alloys thereof.
60.	53	Zip or Slide Fasteners and parts thereof.
61.	54	Pressure Cookers.
62.	55	Vacuum Flasks and other vacuum vessels and parts thereof.
63.	56	Playing Cards.
64.	57	Camphor.
65.	58	Menthol.
66.	60	Adhesive Tapes, all sorts, not elsewhere specified, including cellulose adhesive tapes and paper backed adhesive tapes.
67.	61	Electric Lighting Fittings.
68.	62	Tools Tips, in any form or size, unmounted of sintered carbides of metals such as Tungsten, Molybdenum and Vanadium.
69.	63	Wire Ropes.
70.	64	Carbon Black (including Lamp Black and Acetylene Black).
71.	65	Rubber Processing Chemicals.
72.	66	Permanent Magnets.

[No. 80/80 CE]

A. P. SUDHIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

अधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां. कां. नि. 328 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसी निमित्तियों को जो 'लस्सी' के नाम से जानी जाती है और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं. 1 के अन्तर्गत आती है, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

[सं. 81/80 सी.ई.]

New Delhi, the 19th June, 1980

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 328(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts preparations commonly known as lassi falling under Item No. 1B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from the whole of the duty of excise leviable thereon.

[No. 81/80-CE]

सां. कां. नि. 329 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 28/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को अधिसूचित करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम सूची की मद सं. 1 के उपमद

(2) के अन्तर्गत आने वाले वास्तविक जल को उस पर उद्गृहणीय उत्तेजित उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य का चार्जस प्रतिशत से अधिक है।

[सं० 82/80 सी० ई०]

जी०के० पिल्लै, अवर सचिव

G.S.R. 329(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 28/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts aerated waters falling under sub-item (2) of Item No. 1D of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of forty per cent. ad valorem.

[No. 88/80-CE]

G. K. PILLAI, Under Secy.

सा० का० नि० 330(अ):—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की सं० 31/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को अधिदान्त करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 4 की उपमद II (3)(ii) के अन्तर्गत आने वाली 'अन्य बीड़ियों' को एक या अधिक कारखाने से किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से बरेल उपभोग के लिए ऐसी बीड़ियों की प्रथम निकासी की बाबत तम लाख से अधिक परिमाण तक, जिनकी निकासी किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् की जाती है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उद्गृहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती है कि ऐसी बीड़ियों का विनिर्माण किसी ऐसे निर्यात द्वारा किया जाता है जिसके द्वारा या जिसकी ओर से ऐसी बीड़ियों का विक्रय किसी ब्रांड नाम के अधीन नहीं किया जाता है।

परन्तु 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र ऐसी बीड़ियों का निकासी का परिमाण निम्नलिखित शर्त के अधीन होगा, अर्थात्:—

- (i) पूर्वोक्त अवधि के दौरान इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र निकासियों का योग और 1 अप्रैल, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 18 जून, 1980 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 31/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च, 1979 के अधीन छूट के आधार पर किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से पहले ही की गई निकासियाँ, यदि कोई हों, 40 लाख से अधिक नहीं होंगी; और
- (ii) पूर्वोक्त अवधि के दौरान इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र निकासियों का परिमाण किसी भी मय 24 लाख से अधिक नहीं होगा।

संज्ञाकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "ब्रांड नाम" से अभिप्रेत है कोई ब्रांड नाम चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं अथवा ऐसा नाम या चिन्ह, जैसे प्रतीक चिन्ह, मोनोग्राम, लेबल, हस्ताक्षर या आविष्कृत शब्द या कोई विशेष, जो उन बीड़ियों के तथा किसी व्यक्ति के बीच जो उस व्यक्ति की पहचान को उपदर्शित करके या उपदर्शित किए बिना, ऐसे नाम या चिन्ह का प्रयोग करता है, व्यापार के अनुक्रम में कोई सम्बन्ध उपदर्शित करने के लिए या इस लिए कि ऐसा सम्बन्ध उपदर्शित हो, उन बीड़ियों के सम्बन्ध में प्रयोग में लाया जाता है।

[सं० 83/80 सी० ई०]

G.S.R. 330(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 31/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts 'other biris' falling under sub-item II(3)(ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), in respect of the first clearances of such biris for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto a quantity not exceeding 30 lakhs, cleared on or after the 1st day of April in any financial year, from the whole of the duty of excise leviable thereon, both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), subject to the condition that such biris are manufactured by a manufacturer by whom or on whose behalf no biris are sold under a brand name.

Provided that during the period commencing on the 19th day of June, 1980 and ending on the 31st day of March, 1981, the quantity of clearances of such biris eligible for exemption under this notification shall be subject to the following conditions, namely:—

- (i) the aggregate of the clearances eligible for exemption contained in this notification during the aforesaid period, and the clearances, if any, already effected by or on behalf of a manufacturer in terms of the exemption contained in the notification No. 31/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979 aforesaid, during the period commencing on the 1st day of April, 1980 and ending on the 18th day of June, 1980, shall not exceed 40 lakhs; and
- (ii) the quantity of clearances eligible for exemption contained in this notification during the aforesaid period shall, in no case, exceed 24 lakhs.

Explanation:—For the purposes of this notification, "brand name" shall mean a brand name, whether registered or not, that is to say, a name or a mark, such as a symbol, monogram, label, signature or invented word or writing which is used in relation to such biris for the purpose of indicating, or so as to indicate, a connection in the course of trade between the biris and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person.

[No. 83/80-CE]

सा० का० नि० 331(अ):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 60/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, श्रम सं० 3 के सामने स्तम्भ (4) की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—
"मूल्य का बीस प्रतिशत धन चार सौ पचहत्तर रुपये प्रति मीटरी टन।"

[सं० 84/80 सी० ई०]

G.S.R. 331(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking, No. 60/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976, namely:—

In the said notification, in the Table, for the entry in column (4) against S. No. 3 the following entry shall be substituted, namely:—

"Twenty per cent. ad valorem plus four hundred and seventy-five rupees per metric tonne."

[No. 84/80-CE]

सा० का० नि० 332(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 14 जज के अन्तर्गत आने वाले उर्वरकों को, उनपर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती है कि उक्त उर्वरकों के विनिर्माण में या विनिर्माण के सम्बन्ध में कोई प्रतिष्ठा शक्ति की सहायता से नहीं की गई है और जिसका विनिर्माण ऐसे उर्वरकों से किया गया है जिन सभी उर्वरकों पर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम का पहले ही संघात कर दिया गया है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1980 को पठित होगी।

[सं० 85/80 सी० ई०]

टी०आर०रुस्तगी, अवर सचिव

G.S.R. 332(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts fertilizers, falling under Item No. 14HH of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon, subject to condition that the said fertilizers, in or in relation to the manufacture of which no process has been carried on with the aid of power and which have been manufactured from fertilizers on all of which the appropriate amount of duty of excise or as the case may be, the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), has already been paid.

2. This notification shall come into force on the 1st day of August, 1980.

[No. 85/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

सा० का० नि० 333(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 15 गज के अन्तर्गत आने वाले शीरा को, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात निर्दिष्ट कड़ाह प्रक्रिया द्वारा चीनी के विनिर्माण में उत्पादित शीरा को लागू नहीं होगी।

[सं० 861/80 सी० ई०]

जी०के० पिल्ले अवर सचिव

G.S.R. 333(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, the Central Government hereby exempts molasses, falling under Item No. 15CC of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that nothing contained in this notification shall apply to the molasses produced in the manufacture of sugar by the vacuum pan process.

[No. 86/80-CE]

G. K. PILLAI, Under Secy

सा० का० नि० 334(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, —

(1) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पेनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता

है तथा जो भारतीय मानक संस्था के सुसंगत भा० मा० मानक अनुरूप है, और

(2) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पेनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जिसका प्रवाय उसके विनिर्माता द्वारा किसी चाय के कारखाने को सीधा किया जाता है,

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 16ख के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य का दस प्रतिशत से अधिक है।

[सं० 87/80 सी० ई०]

G.S.R. 334(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts—

(i) plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and which conforms to the relevant IS Standard of the Indian Standards Institution, and

(ii) plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and supplied by the manufacturer thereof directly to a tea factory,

from so much of the duty of excise leviable thereon under Item No. 16B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is in excess of ten per cent. ad valorem.

[No. 87/80-CE]

सा० का० नि० 335(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 55/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के स्पष्टीकरण में, खंड (7) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखे जाएंगे, अर्थात्:—

“(7) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पेनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है तथा जो भारतीय मानक संस्था के सुसंगत भा० मा० मानक के अनुरूप है, और

(8) चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड को जब वह पेनल या शूक के आकार में काटा जाता है और सेटों में पैक किया जाता है, तथा जिसका प्रवाय उसके विनिर्माता द्वारा किसी चाय के कारखाने को सीधा किया जाता है”।

[सं० 88/80 सी० ई०]

G.S.R. 335(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 55/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely:—

In the said notification, in the Explanation, for clause (vii), the following clauses shall be substituted, namely:—

(vi) plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and which conforms to the relevant IS Standard of the Indian Standards Institution, and

(viii) plywood for tea chests when cut to size in panels or shooks and packed in sets and supplied by the manufacturer thereof directly to a tea factory”.

[No. 88/80-CE]

सां. कां. वि० 336 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क-नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 17 के अन्तर्गत आने वाले कागज और कागज बोर्ड को (जो कागज और कागज बोर्ड की रूपान्तरित किस्मों से भिन्न हों) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर उसे एक या अधिक कारखानों से किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् निकासी किए गए तीन सौ टन से अधिक कुल परिमाण तक ऐसे कागज और कागज बोर्ड की प्रथम निकासी की बाबत, उस पर उद्घरणयोग्य उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जिसका मूल्य का बीस प्रतिशत से अधिक है:

परन्तु,—

- (क) जहाँ किसी विनिर्माता ने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में किसी ऐसे कागज या कागज बोर्ड की निकासी नहीं की है या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रथम बार ऐसे कागज और कागज बोर्ड की निकासी की है वहाँ इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट ऐसे विनिर्माता को तभी लागू होगी जब वह सहायक उत्पाद-शुल्क कलक्टर के पास इस आशय की घोषणा फाइल कर देता है कि वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कागज और कागज बोर्ड की निकासी का कुल परिमाण तीन सौ टन से अधिक होने की संभावना नहीं है और वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी किए गए ऐसे कागज और कागज बोर्ड का कुल परिमाण तीन सौ टन से अधिक नहीं है;
- (ख) जहाँ ऐसे कागज और कागज बोर्ड का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी वित्तीय वर्ष के दौरान भिन्न-भिन्न समयों पर भिन्न-भिन्न विनिर्माताओं द्वारा चलाया जाता है वहाँ ऐसे कारखाने से ऐसे कागज और कागज बोर्ड की की गई निकासी का ऐसा कुल परिमाण जो ऐसे वर्ष में इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र है, तीन सौ टन से अधिक नहीं होगा।

परन्तु यह और कि 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से ऐसे कागज और कागज बोर्ड की की गई निकासी का ऐसा कुल परिमाण जो इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र है, दो सौ तीस टन से अधिक नहीं होगा।

2. इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट कोई छूट किसी विनिर्माता को लागू नहीं होगी,—

- (1) यदि पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से ऐसे कागज और कागज बोर्ड की की गई निकासी का, यदि कोई हो, कुल परिमाण तीन सौ टन से अधिक हो गया हो; या
- (2) जिसने भारत सरकार के, यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग या राजस्व विभाग) की अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 70/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976, सं० 128/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977, सं० 129/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977, सं० 311/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 नवम्बर, 1977 और सं० 16/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 जनवरी, 1978 के अधीन छूट का लाभ उठा लिया है।

[सं० 89/80 सी० ई०]

G.S.R. 336(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts paper and paper board (other than converted types of paper and paper board), falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), in respect of the first clearances of such paper and paper board upto a total quantity not exceeding three hundred tonnes cleared on or after the first day of April in any financial year by or on behalf of a manufacturer, from one or more factories, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of twenty per cent ad valorem :

Provided that—

- (a) where a manufacturer has not cleared any such paper or paper board in the preceding financial year or has cleared such paper and paper board for the first time on or after the 1st day of August in the preceding financial year, the exemption contained in this notification shall be applicable to such manufacturer if he files a declaration with the Assistant Collector of Central Excise that the total quantity of clearances of such paper and paper board during the financial year is not likely to exceed three hundred tonnes and if the total quantity of such paper and paper board cleared during the financial year does not exceed three hundred tonnes;
- (b) where a factory producing such paper and paper board is run at different times during a financial year by different manufacturers, the total quantity of clearances of such paper and paper board from such factory eligible for exemption under this notification in such year shall not exceed three hundred tonnes ;

Provided further that during the period commencing on the 19th day of June, 1980 and ending on the 31st day of March, 1981, the total quantity of clearances of such paper and paper board by or on behalf of a manufacturer from one or more factories eligible for exemption under this notification, shall not exceed two hundred and thirty tonnes.

2. The exemption contained in this notification shall not be applicable to a manufacturer—

- (i) if the total quantity of clearances of such paper and paper board, if any, by him or on his behalf, from one or more factories during the preceding financial year, had exceeded three hundred tonnes; or
- (ii) who avails of the exemption under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue) or Department of Revenue and Banking, as the case may be, No. 70/76-Central Excises dated the 16th March, 1976, No. 128/77-Central Excises dated the 18th June, 1977, No. 129/77-Central Excises dated the 18th June, 1977, No. 311/77-Central Excises dated the 2nd November, 1977 and No. 16/78-Central Excises dated the 24th January, 1978.

[No. 89/80-CE]

सां. कां. वि० 337 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 226/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 15 जुलाई 1977 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, प्रथम परन्तुक में,—

(क) खंड (4) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(4) ऐसे फैक्ट्रियों को जो सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के अधीन वस्त्र आयुक्त द्वारा समय-समय पर परिभाषित “नियंत्रित धोती”, “नियंत्रित साड़ी”, “नियंत्रित लड्डा”, “नियंत्रित

कमीज का कपड़ा" या "निर्दिष्ट ड्रिल" के वर्णन के अन्तर्गत है और जिनके लिए अधिकतम कारखानों द्वारा कीमतें बस्त्र आयुक्त द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन विनिर्दिष्ट की गई हैं केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का मान) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से इस शर्त के अधीन छूट प्राप्त की होगी कि ऐसे फैब्रिकों का ऐसे कारखानों द्वारा जिसमें उनका विनिर्माण या प्रसंस्करण किया जाता है, किसी औद्योगिक समस्थान को प्रदाय नहीं किया जाता है, और यदि ऐसे फैब्रिकों का इस प्रकार प्रदाय किया जाता है तो क्रय करने वाला औद्योगिक समस्थान यह प्रमाणित करता है कि उसके द्वारा इस प्रकार क्रय किए गए फैब्रिकों का अन्त्यतः पहनने के प्रयोजनों के लिए न कि किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा;";

(ख) बांड (7) और (8) का लोप किया जाएगा।

[सं० 90/80-सी० ई०]

G.S.R. 337(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 226/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977, namely :—

In the said notification, in the first proviso,—

(a) for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

"(iv) fabrics which answer to the description of 'Controlled Dhori', 'Controlled Saree', 'Controlled Long Cloth', 'Controlled Shirting' or 'Controlled Drill' as defined from time to time by the Textile Commissioner under the Cotton Textile (Control) Order, 1948 and for which maximum ex-factory prices have been specified by the Textile Commissioner under the said Order, shall be exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), subject to the condition that such fabrics are not supplied by the factory in which they are manufactured or processed to an industrial concern, and if such fabrics are so supplied, the purchasing industrial concern certifies that the fabrics so purchased by it shall be used exclusively for wearable purposes and not for any other purposes;";

(b) clauses (vii) and (viii) shall be omitted

[No. 90/80-CE]

सा० का० वि० 338 (ख):—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपर्युक्त सारणी के स्तम्भ (5) में विनिर्दिष्ट वर्णन के उत्पाद-शुल्क माल की (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अन्तिम उत्पाद" कहा गया है) जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की ऐसी मद सं० के अन्तर्गत आता है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, उस पर उद्ग्रहणीय उक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना, यथा-स्थिति, पूर्वोक्त प्रथम अनुसूची के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क या सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के समतुल्य है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ

(3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट वर्णन के ऐसे माल पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् "आगम" कहा गया है) पहने की सदस्त कट दिया गया है जो पूर्वोक्त प्रथम अनुसूची की ऐसी मद सं० के अन्तर्गत आता है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है:

परन्तु यह तब जब कि,—

(1) उक्त सारणी के स्तम्भ (1) में किसी विशिष्ट क्रम संख्या के सामने उनके स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट आगम का प्रयोग उक्त क्रम संख्या के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट किसी अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण में किया जाता है; और

(2) इस अधिसूचना के अधीन छूट के सम्बन्ध में पूर्वोक्त नियमों के नियम 56 (क) में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

सारणी

क्रम सं०	उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं०	आगम का वर्णन	उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं०	अन्तिम वर्णन	उत्पाद का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1.	26क	तांबा	26ख 27 27क	जस्ता मिश्रधातु ऐलुमिनियम मिश्रधातु सीसा मिश्रधातु	
2.	26ख	जस्ता	26क 27 27क	तांबा मिश्रधातु ऐलुमिनियम मिश्रधातु सीसा मिश्रधातु	
3.	27	ऐलुमिनियम	26क 26ख 27क	तांबा मिश्रधातु जस्ता मिश्रधातु सीसा मिश्रधातु	
4.	27क	सीसा	26क 26ख 27	तांबा मिश्रधातु जस्ता मिश्रधातु ऐलुमिनियम मिश्रधातु	

[सं० 91/80- सी० ई०]

G.S.R. 338(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts the excisable goods of the description specified in column (5) of the Table hereto annexed (such goods being hereinafter referred to as "final products") and falling under such Item No. of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the duty of excise leviable under the aforesaid First Schedule or the additional duty leviable under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, already paid on the goods of the description specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table (such goods being hereinafter referred to as "inputs") and falling under such Item No. of the aforesaid First Schedule as is specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table :

Provided that—

(i) the inputs specified in column (3) of the said Table against a particular serial number in column (1) thereof are used in the manufacture of any of the final products specified in the corresponding entry in column (5) of the said Table against the said serial number; and

(ii) in relation to the exemption under this notification the procedure set out in rule 56A of the aforesaid rules followed.

TABLE

S. No.	Item No. of the said First Schedule	Description in inputs	Item No. of the said First Schedule	Description of final products
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	26A	Copper	26B	Zinc alloys
			27	Aluminium alloys
			27A	Lead alloys
2.	26B	Zinc	26A	Copper alloys
			27	Aluminium alloys
			27A	Lead alloys
3.	27	Aluminium	26A	Copper alloys
			26B	Zinc alloys
			27A	Lead alloys
4.	27A	Lead	26A	Copper alloys
			26B	Zinc alloys
			27	Aluminium alloys

[No. 91/80-CE]

सां. कां. नि० 339 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के, यथा-स्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग, या राजस्व और बीमा विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की प्रत्येक अधिसूचना में जो इससे उपावृद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, संशोधन या और संशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	54/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1962	उक्त अधिसूचना में,— (i) "तांबा और तांबा मिश्र-धातु" शब्दों के स्थान पर, "तांबा" शब्द रखा जाएगा; (ii) "तांबा या तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
2.	213/63-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 दिसम्बर, 1963	उक्त अधिसूचना में,— (i) "तांबा और तांबा मिश्र-धातु" शब्दों के स्थान पर, "तांबा" शब्द रखा जाएगा; (ii) "तांबा या तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
3.	31/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1965	उक्त अधिसूचना में,— (i) जहाँ दो स्थानों पर "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्द आते हैं, उनके स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा;

(1)	(2)	(3)
		(ii) खंड (क) के उपखंड (i) में, "तांबा या तांबा मिश्र-धातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
4.	60/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मार्च, 1965	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
5.	74/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मई, 1965	उक्त अधिसूचना में, जहाँ दो स्थानों पर "तांबा" और तांबा मिश्रधातु" शब्द आते हैं उनके स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
6.	119/66-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जुलाई, 1966	उक्त अधिसूचना में,— (i) जहाँ दो स्थानों पर "तांबा" और तांबा मिश्रधातु" शब्द आते हैं, उनके स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा; (ii) खंड (i) और (iv) में "तांबा या तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
7.	236/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 दिसम्बर, 1975	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
8.	11/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 जनवरी, 1976	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
9.	142/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1976	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर, "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
10.	31/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1980	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर "तांबा" शब्द रखा जाएगा।
11.	32/80-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1980	उक्त अधिसूचना में, "तांबा और तांबा मिश्रधातु" शब्दों के स्थान पर, "तांबा" शब्द रखा जाएगा।

[सं० 92/80 सी० ई०]

G.S.R. 339(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue, or the Department of Revenue and Insurance) or the Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner

specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No. and date	Amendment
(1)	(3)
1. 54/62-Central Excises, dated the 24th April, 1962.	In the said notification,— (i) for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted; (ii) for the words "copper or copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
2. 213/63-Central Excises, dated the 28th December, 1963.	In the said notification,— (i) for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted; (ii) for the words "copper or copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
3. 31/65-Central Excises, dated the 28th February, 1965.	In the said notification,— (i) for the words "copper and copper alloys", in two places where they appear, the word "copper" shall be substituted; (ii) in sub-clause (i) of clause (a) for the words "copper or copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
4. 60/65-Central Excises, dated the 27th March, 1965.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
5. 74/65-Central Excises, dated the 1st May, 1965.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys" in two places where they occur, the word "copper" shall be substituted.
6. 119/66-Central Excises, dated the 16th July, 1966.	In the said notification,— (i) for the words "copper and copper alloys" in two places where they occur, the word "copper" shall be substituted. (ii) in clauses (i) and (iv) for the words "copper or copper alloys" the word "copper" shall be substituted.
7. 236/75-Central Excises, dated the 13th December, 1975.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
8. 11/76-Central Excises, dated the 17th January, 1976.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
9. 142/76-Central Excises, dated the 24th April, 1976.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.
10. 31/80-Central Excises, dated the 1st April, 1980.	In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.

1) (2) (3)

11. 32/80-Central Excises, dated the 1st April, 1980.

In the said notification, for the words "copper and copper alloys", the word "copper" shall be substituted.

[No. 92/80-CE]

सं० का० नि० 340 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे आधानों को लेकर या प्रिन्ट अथवा लेजर और प्रिन्ट किए हुए ऐलुमिनियम से बनाए जाते हैं और जिनका विनिर्माण ऐलुमिनियम के साथ आधानों से किया जाता है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 27 के अधीन उन पर उद्घाटनीय करने उत्पाद शुल्क से छूट देनी है जिनका, यथास्थिति, उक्त प्रथम अनुसूची के अधीन उत्पाद-शुल्क या सामान्य शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन अतिरिक्त शुल्क से अधिक है और जो ऐलुमिनियम के ऐसे सादा आधानों की बाबत जिनसे उनका विनिर्माण किया गया है, पहले ही संबत कर दिया गया है:

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐलुमिनियम के आधानों के किसी ऐसे विनिर्माता का लागू नहीं होगी जो ऐलुमिनियम के सादा आधानों पर संबत शुल्क की बाबत केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56 के अधीन विहित विवेक प्रक्रिया का लाभ उठाता है।

2. यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 93/80 सी० ई०]

G.S.R. 340(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts containers made of aluminium, lacquered or printed or lacquered and printed, and manufactured from plain containers of aluminium, from so much of the duty of excise leviable thereon under Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is in excess of the duty of excise under the said First Schedule or the additional duty under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as the case may be, which has already been paid in respect of the plain containers of aluminium from which they have been manufactured:

Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer of containers of aluminium who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the duty paid on plain containers of aluminium.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of July, 1980.

[No. 93/80-CE]

सं० का० नि० 341 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 29 की उपमद (i) के अन्तर्गत आने वाले डीजल तेल से चलने वाले अन्तर्दहन इंजन को, उस पर उद्घाटनीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(क) किसी ऐसे अधिकारी का जो सहायक उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारी का नाम होगा) यह समाधान हो जाता है कि ऐसा अन्तर्दहन इंजन पैट्रोल से चलने वाले ऐसे अन्तर्दहन इंजनों का स्थान लेने के लिए

आशयित है जो अन्तर्गत: टैक्सि के रूप में प्रयोग की जाने वाली मोटरकारों में फिट किए हुए हैं; और

- (ख) ऐसा विनिर्दिष्ट उक्त अधिकारी को संबंधित राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी से खोजने वाले अन्तर्गत इंजनों की निकासी की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो उक्त अधिकारी अनुज्ञाप करे, इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि खोजने वाले अन्तर्गत इंजनों का प्रयोग पूर्वोक्त टैक्सियों में पेट्रोल से चलने वाले इंजनों को बदलने के लिए वास्तव में किया गया है।

[सं० 94/80-सी० ई०]

G.S.R. 341(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts diesel oil operated internal combustion engines, falling under sub-item (i) of Item No. 29 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon, subject to the following conditions, namely :—

- (a) an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise (hereinafter referred to as the said officer) is satisfied that such internal combustion engines are intended to replace the petrol operated internal combustion engines fitted in motor cars used solely as taxis; and
- (b) the manufacturer furnishes to the said officer a certificate from an officer authorised by the concerned State Transport Authority in this behalf within three months of the date of clearance of the diesel oil operated internal combustion engines or such extended period as the said officer may allow, to the effect that the diesel oil operated internal combustion engines have actually been used for replacement of the petrol operated internal combustion engines in the aforesaid taxis.

[No. 94/80-CE]

सा० का० वि० 342(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 29 की उपमद (i) के अन्तर्गत आने वाले अन्तर्गत इंजनों को, उन पर उद्योगीय समस्त उत्पाद-शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- (क) किसी ऐसे अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलेक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारी कहा गया है) यह समाधान हो जाता है कि ऐसे अन्तर्गत इंजन सार्वजनिक रिक्शाओं को शक्ति-वाहित सार्वजनिक में संपरिचालित करने के लिए अपेक्षित है; और
- (ख) ऐसा विनिर्दिष्ट उक्त अधिकारी को संबंधित राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी से ऐसे अन्तर्गत इंजनों की निकासी की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो उक्त अधिकारी अनुज्ञाप करे, इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि ऐसे अन्तर्गत इंजन उक्त सार्वजनिक रिक्शाओं में फिट किए हुए हैं।

[सं० 95/80-सी० ई०]

टी० आर० कस्तुरी, अवर सचिव

G.S.R. 342(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts internal combustion engines, falling under sub-item (i) of Item No. 29 of the

First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of Excise leviable thereon subject to the following conditions, namely :—

- (a) an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise (hereinafter referred to as the said officer) is satisfied that such internal combustion engines are required for conversion of cycle rickshaws into powered cycle rickshaws; and
- (b) the manufacturer furnishes to the said officer a certificate from an officer authorised by the concerned State Government in this behalf within three months of the date of clearance of such internal combustion engines or such extended period as the said officer may allow, to the effect that such internal combustion engines have been fitted to the said cycle rickshaws.

[No. 95/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

सा० का० वि० 343(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 58/78-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978 को अधिकांश करने हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 33क की उपमद (1) के अन्तर्गत आने वाले और इससे उपायुक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के प्रसारण वृद्धिगत अधिवाही सेटों को, उन पर उद्योगीय उक्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है, जिनका उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की समस्याओं प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

सारणी

क्रम सं०	वर्णन	शुल्क की दर
1	2	3

1. मिगल चैनल सेट—

- (क) जिनके स्कीम का आकार छत्तीस सेंटीमीटर से अधिक न हो और जिनका मूल्य एक हजार रुपया से अधिक न हो और जिनका मूल्य एक हजार रुपया से अधिक न हो
- (ख) जिनके स्कीम का आकार छत्तीस सेंटीमीटर से अधिक हो और जिनका मूल्य एक हजार रुपया से अधिक न हो

2. मल्टी चैनल सेट—

- (क) जिनके स्कीम का आकार छत्तीस सेंटीमीटर से अधिक न हो और जिनका मूल्य एक हजार रुपया से अधिक न हो
- (ख) जिनके स्कीम का आकार छत्तीस सेंटीमीटर से अधिक हो और जिनका मूल्य एक हजार रुपया से अधिक न हो

3. ग्रस्य सेट—

मूल्य का पञ्चास प्रतिशत

2. इस अधिसूचना की कोई भी बात ऐसे विनिर्दिष्ट को लागू नहीं होगी यदि विक्रय उपरान्त अधिकार कर चुकने के परिणामस्वरूप ऐसे करार के अधीन पहले एक वर्ष के लिए संशय की रकम सेट के मूल्य महिष, ऐसे सेट को बाबत उक्त सारणी की क्रम सं० 1 और 2 के सामने स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट मूल्य-सीमा से अधिक हो जाए।

[सं० 96/80-सी० ई०]

**NOTIFICATIONS
CENTRAL EXCISES**

New Delhi, the 19th June, 1980

G.S.R. 343(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 58/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978, the Central Government hereby exempts broadcast television receiver sets, falling under sub-item (1) of Item No. 33A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S.No.	Description	Rate of duty
(1)	(2)	(3)
1. Single channel sets—		
(a)	of screen size not exceeding thirty-six centimetres and of a value not exceeding one thousand four hundred and fifty rupees per set.	Ten per cent ad valorem.
(b)	of screen size exceeding thirty-six centimetres and of a value not exceeding one thousand six hundred and fifty rupees per set.	Ten per cent ad valorem.
2. Multi-channel sets—		
(a)	of screen size not exceeding thirty-six centimetres and of a value not exceeding one thousand six hundred rupees per set.	Ten per cent ad valorem.
(b)	of screen size exceeding thirty-six centimetres and of a value not exceeding one thousand eight hundred rupees per set.	Ten per cent ad valorem.
3. Other sets		Twenty-five per cent ad valorem.

2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer if, as a result of entering into an after-sale service agreement, the amount of payment for the first one year under such agreement, together with the value of the set, exceeds the value limit specified in column (2) against S. Nos. 1 and 2 of the said Table in respect of such set.

[No. 96/80-CE.]

सांकांनि० 344 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 33A के अन्तर्गत आने वाले सभी प्रकार के कम्प्यूटरों को (जिनके अन्तर्गत केन्द्रीय प्रसंस्करण यूनिट और उपांत युक्तियाँ भी हैं), उन पर उद्घाटनीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य का बीस प्रतिशत से अधिक है।

[मं 97/80 सी०ई०]

ए० पी० सुधीर, सचिव

G.S.R. 344(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts computers (including central processing units and peripheral devices), all sorts, falling under Item No. 33DD of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of twenty per cent ad valorem.

[No. 97/80-CE]

A. P. SUDHIR, Under Secy.

सांकांनि० 345(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 154/75-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 3 जून, 1975 को अधिकाृत करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन की दियासलाइयों को जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है और जिनकी निकासी किमी विनिर्माता द्वारा घरेलू उपयोग के लिये की जाती है, उन पर उद्घाटनीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की नत्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क की दर से अधिक है।

सारणी

क्रम दियासलाइयों का वर्णन सं०	शुल्क की दर (प्रत्येक 50 दियासलाइयों के प्रति घुस पर, रुपयों में)
1	2
1. दियासलाइयाँ जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध में कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से की जाती है।	7.20
2. दियासलाइयाँ जिनके विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध में कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से नहीं की जाती है।	4.50

परन्तु—

- ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतरी स्लाइड काई-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाइयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति घुस पर साठ पैसे दी जाएगी;
- ऐसे बक्सों में जिनकी भीतरी स्लाइड ही काई-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाइयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति घुस पर बीस पैसे बढ़ा दी जाएगी।
- क्रम सं० 2 में निर्दिष्ट दियासलाइयों की दशा में, छूट की रकम बक्सों के प्रति घुस पर पचास पैसे, यथास्थिति, बढ़ा दी जाएगी या और बढ़ा दी जाएगी यदि स्प्लिट के लिए या स्प्लिट और बैनियर के लिए बांस का प्रयोग किया जाता है; और
- क्रम सं० 2 में निर्दिष्ट दियासलाइयों को लागू शुल्क की दर जितनी स्प्लिट बांस से बनाई जाती है और जो 40 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती है समरूप वर्णन की ऐसी दियासलाइयों को जो एक ही कारखाने में उत्पादित की जाती हैं किन्तु 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं लागू दर की 4/5 होगी और यदि 50 के हिसाब से बक्सों में ऐसी पैकिंग नहीं की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की गई दियासलाइयों के लिए काल्पनिक रूप से अवधारित दर की 4/5 होगी।

स्पष्टीकरण इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, दियासलाइयों की तीली के सिरों के लिए सम्मिश्रण में स्प्लिट को घुमाने के लिए या दियासलाइयों

को बक्सों में भरने के लिए या दोनों के लिए अपनाई जाने वाली यांत्रिक प्रक्रिया बिना कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से की जाने वाली प्रक्रिया नहीं समझी जाएगी।

[सं० 98/80 सी०ई०]

G.S.R. 345(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 154/75-Central Excises, dated the 3rd June 1975, the Central Government hereby exempts matches of the description specified in column (2) of the Table below and falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and cleared for home consumption by a manufacturer, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the rate of duty specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description of matches	Rate of duty (Rs. per gross of 50 matches each)
(1)	(2)	(3)
1.	Matches in or in relation to the manufacture of which any process is ordinarily carried on with the aid of power.	7.20
2.	Matches in or in relation to the manufacture of which no process is ordinarily carried on with the aid of power.	4.50

Provided that—

- in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as the inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes;
- in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty four paise per gross of boxes;
- in the case of matches referred to in Serial No. 2, the amount of exemption shall be increased, or further increased, as the case may be, by 50 paise per gross of boxes if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers; and
- the rate of duty applicable to matches referred to in Serial No. 2, and the splints of which are made of bamboo and which are packed in boxes of 40s shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50s and if such packing in boxes of 50s is not done, it shall be four-fifths of the notionally determined rate for matches packed in boxes of 50s.

Explanation.—For the purposes of this notification, no process other than the mechanical process employed for dipping of splints in the composition for match heads or for filling of boxes with matches or both, shall be deemed to be a process ordinarily carried on with the aid of power.

[No. 98/80. CE]

सा० का० नि० 346(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसी दियासलाहों की जिनके विनिर्माण के सम्बन्ध में कोई

प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से नहीं की जाती है और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 38 के अन्तर्गत आती है, उन पर उच्चगृहीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना प्रत्येक 60 दियासलाहों के बक्सों के प्रति गुरुस पर 1.60 रुपये से अधिक है :

परन्तु यह जब कि ऐसी दियासलाहों की निकासी किसी विनिर्माता द्वारा बरेलू उपयोग के लिए ऐसे कारखाने से की जाती है जिनके बारे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा इस अधिसूचना के अधीन वास्तविक कूटीर एकक के रूप में छूट के लिए सिफारिश की गई है या जो किसी ऐसी सहकारी सोसाइटी का (जिनके अन्तर्गत कोई विपणन या सेवा औद्योगिक सहकारी सोसाइटी है किन्तु जिसके अन्तर्गत कोई सहकारी बैंक नहीं है) सदस्य है जो सहकारी सोसाइटियों से संबंधित तत्समय प्रयुक्त किसी विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और ऐसी दियासलाहों के विनिर्माता की अनन्यतः सहायता कर रही है :

परन्तु यह और कि ऐसी दियासलाहों का विक्रय या विपणन खादी और ग्रामोद्योग आयोग या पूर्वोक्त सहकारी सोसाइटी (जिनके अन्तर्गत कोई विपणन या सेवा औद्योगिक सहकारी सोसाइटी है किन्तु कोई सहकारी बैंक नहीं है) या किसी राज्य सरकार द्वारा स्थापित किसी अधिकरण की मार्फत किया जाता है :

परन्तु वह और भी कि जहां दियासलाहों का उत्पादन किसी ऐसे कारखाने द्वारा किया जाता है जिसके बारे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा पूर्वोक्त वास्तविक कूटीर एकक के रूप में सिफारिश की गई है वहां ऐसी दियासलाहों की निकासी ऐसे सेबलों के अन्तर्गत हो की जाएगी जो उक्त आयोग द्वारा विहित किए जाते हैं और जिनका अनुमोदन किसी ऐसे अधिकारी द्वारा किया जाता है जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की पक्ति से नीचे का न हो।

परन्तु वह और भी कि,—

- ऐसे बक्सों में जिनकी बाहरी स्लाइड और भीतरी स्लाइड कार्ड-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाहों की बत्ता में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर साठ पैसे बढ़ा दी जाएगी;
- ऐसे बक्सों में जिनकी भीतरी स्लाइड ही कार्ड-बोर्ड से बनाई जाती है, पैक की गई दियासलाहों की बत्ता में, छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर बीस पैसे बढ़ा दी जाएगी;
- छूट की रकम बक्सों के प्रति गुरुस पर पचास पैसे, यथास्थिति बढ़ा दी जाएगी या और बढ़ा दी जाएगी यदि स्प्लिट के लिये या स्प्लिट और बेमियर के लिए बांस का प्रयोग किया जाता है;
- यदि ऐसी दियासलाहों के स्प्लिट बांस से बनाए जाते हैं और दियासलाहों 40 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं तो शुल्क की दर, समस्त वर्णन की ऐसी दियासलाहों की जो एक ही कारखाने में उत्पादित की जाती है किन्तु 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की जाती हैं, लागू दर की 4/5 होगी और यदि 50 के हिसाब से बक्सों में ऐसी पैकिंग नहीं की जाती है तो वह 50 के हिसाब से बक्सों में पैक की गई दियासलाहों के लिए काल्पनिक रूप से अनुधारित दर की 4/5 होगी।

स्वच्छीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- दियासलाहों की तोली के सिरों के लिए सम्मिश्रण में स्प्लिट को बुनने के लिये या दियासलाहों को बक्सों में भरने के लिये या दोनों के लिये अपनाई जाने वाली यांत्रिक प्रक्रिया से भिन्न कोई प्रक्रिया सामान्यतया शक्ति की सहायता से की जाने वाली प्रक्रिया नहीं समझी जाएगी ;

(ii) ये एकक जिनके बारे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और शीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 162/67-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 जुलाई, 1967 या सं० 154/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 जून, 1975 के अधीन किसी वास्तविक कुटीर एकक के रूप में छूट के लिए सिफारिश की गई है, इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये इस प्रकार सिफारिश की गई समझी जाएगी।

[सं० 99/80-सी०ई०]

G.S.R. 346(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts matches, in or in relation to the manufacture of which no process is ordinarily carried on with the aid of power, falling under Item No. 38 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 1.60 per gross boxes of 50 matches each :

Provided that the matches are cleared for home consumption by a manufacturer from a factory which is recommended by the Khadi and Village Industries Commission for exemption under this notification as a bonafide Cottage Unit, or which is a member of a co-operative society (including a marketing or service industrial co-operative society but excluding a co-operative bank) registered under any law relating to co-operative societies for the time being in force and assisting exclusively manufacturers of such matches :

Provided further that the matches are sold or marketed through the Khadi and Village Industries Commission or a co-operative society (including a marketing or service industrial co-operative society but excluding a co-operative bank) aforesaid or an agency established by a State Government :

Provided also that where the matches are produced by a factory recommended by the Khadi and Village Industries Commission as bonafide Cottage Unit aforesaid, the matches shall be cleared only under the labels prescribed by the said Commission and approved by an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise :

Provided also that—

(i) in the case of matches packed in boxes in which both the outer slide as well as inner slide are made of card board, the amount of exemption shall be increased by sixty paise per gross of boxes ;

(ii) in the case of matches packed in boxes in which the inner slide alone is made of card board, the amount of exemption shall be increased by twenty-four paise per gross of boxes;

(iii) the amount of exemption shall be increased, or further increased as the case may be, by fifty paise per gross of boxes if bamboo is used for the splints or for both splints and veneers;

(iv) if the splints of such matches are made of bamboo and the matches are packed in boxes of 40s, the rate of duty shall be four-fifths of the rate applicable to matches of identical description produced in the same factory but packed in boxes of 50s and if such packing in boxes of 50s is not done it shall be four-fifths of the notionally determined rate for matches packed in boxes of 50s.

Explanation.—For the purposes of this notification—

(i) no process other than the mechanical process employed for dipping of splints in the composition for match heads or for filling of boxes with matches or both, shall be deemed to be a process ordinarily carried on with the aid of power ;

(ii) the units recommended by the Khadi and Village Industries Commission for exemption under notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 162/67-Central Excises, dated the 21st July, 1967 or No. 154/75-Central Excises, dated the 3rd June, 1975, as a bonafide Cottage Unit shall be deemed to be so recommended for the purposes of this notification.

[No. 99/80-CE]

सा०का०नि० 347(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय मानक संस्था के भा०मा० 7285-1974 या भा०मा० 7312-1974 में अधिकृत निर्देशों के अनुषंग ऐसे औद्योगिक गैस सिलिंडरों को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 46 के अन्तर्गत आते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य से भाट प्रतिशत से अधिक है।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 100/180 सी०ई०]

टी० आर० रुस्तगी, अवर सचिव

G.S.R. 347(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts industrial gas cylinders, conforming to the specifications laid down in IS : 7285-1974 or IS : 7312-1974 of the Indian Standards Institution, falling under Item No. 46 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eight per cent ad valorem.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1981.

[No. 100/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जून, 1980

सा०का०नि० 348(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और शीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 160/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 1971 को अधिकृत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 54 के अन्तर्गत आने वाले प्रेशर कुकरों को, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना मूल्य का दस प्रतिशत से अधिक है।

[सं० 101/80 सी०ई०]

ए० पी० सुधीर, अवर सचिव

New Delhi, the 19th June, 1980

G.S.R. 348(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 160/71-Central Excises, dated the 31st July, 1971, the Central Government hereby exempts pressure cookers, falling under Item No. 54 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of ten per cent. ad valorem.

[No. 101/80-CE]

A. P. SUDHIR, Under Secy.

सांकांनि० 349(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 55/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1975 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में उपाखण्ड अनुसूची में, मद 23 के पश्चात् निम्न-लिखित मदें अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

- “24. महासागरगामी जलयान;
25. पिमा हुआ मसाला और मिश्रित मसाला;
26. सिलाई की मशीनें और उनके पुर्जे;
27. साइकिल और उनके पुर्जे।”

[सं० 102/80-सी०ई०]

G.S.R. 349(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 55/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification, after item 23, the following items shall be inserted, namely :—

- “24. Ocean-going vessels;
25. Ground spices (masalas) and mixed spices (masalas);
26. Sewing machines and parts thereof;
27. cycles and parts thereof.”

[No. 102/80-CE.]

सांकांनि० 350(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रदाय के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा विनिर्मित ऐसे सभी माल को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

[सं० 103/80-सी० ई०]

G.S.R. 350(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts all goods, falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), manufactured by Bharat Electronics Limited, for supply to the Ministry of Defence for official purposes, from the whole of the duty or excise leviable thereon.

[No. 103/80-CE]

सांकांनि० 351(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,—

- (1) पूर्णतया कपास से, या
- (2) किसकोस फाइबर या सूत के साथ कपास के सम्मिश्रण से, विनिर्मित ऐसी होजरी की वस्तुओं को जो फेब्रिक से बनाई जाती हैं और जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आती हैं, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।

[सं० 104/80-सी०ई०]

G.S.R. 351(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts articles of hosiery, made from fabrics, manufactured—

(i) wholly from cotton, or

(ii) from a blend of cotton with viscose fibre or yarn and falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

[No. 104/80-CE]

सांकांनि० 352(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 89/79-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को अधिस्तन करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से धरेलु उपभोग के लिए उक्त माल की प्रथम निकासी की बाबत, तीस लाख रुपए से अनधिक मूल्य तक, जिसकी निकासी किसी वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल को या उसके पश्चात् की जाती है, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है;

परन्तु 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र उक्त माल की निकासी का मूल्य निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त अवधि के दौरान इस अधिसूचना में अस्तबिष्ट छूट के लिए पात्र निकासियों के मूल्य का योग और 1 अप्रैल, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 18 जून, 1980 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, पूर्वोक्त अधिसूचना सं० 89/79-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में अस्तबिष्ट छूट के आधार पर किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से पहले ही की गई निकासियाँ, यदि कोई हों, तीस लाख रुपए से अधिक नहीं होंगी; और

(2) 19 जून, 1980 को प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली पूर्वोक्त अवधि के दौरान इस अधिसूचना में अस्तबिष्ट छूट के लिए पात्र निकासियों का मूल्य किसी भी दशा में चौबीस लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।

परन्तु यह और कि किसी अधिकारी का जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर की पंक्ति से नीचे का न हो, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे औद्योगिक एकक में जिसमें निकासी किए जाने वाले उक्त माल का विनिर्माण किया जाता है, स्थापित संयंत्र और मशीनरी पर, समय-समय पर किए गए पुंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि दस लाख रुपए से अधिक नहीं है।

2. जहाँ उक्त माल का उत्पादन करने वाला कारखाना किसी वित्तीय वर्ष के दौरान भिन्न-भिन्न समय पर भिन्न-भिन्न विनिर्माताओं द्वारा चलाया जाता है वहाँ ऐसे वर्ष में इस अधिसूचना के अधीन छूट के लिए पात्र ऐसे कारखाने से, उक्त माल की निकासी का कुल मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।

3. इस अधिसूचना की कोई बात किसी विनिर्माता को उस दशा में लागू नहीं होगी जिसमें उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारखानों से किसी पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में धरेलु उपभोग के लिए निकासी किए गए, यदि कोई हो, उक्त माल का कुल मूल्य तीस लाख रुपए से अधिक हो।

स्पष्टीकरण 1—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अधधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अधिकृत मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्वयं-चाल पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अधधारण में अवगणित कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2—इस अधिसूचना में, "कारखाना" शब्द का वही अर्थ है जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खंड (ड) में है।

स्पष्टीकरण 3—इस अधिसूचना के अधीन निकालियों के मूल्य की संगणना करने के प्रयोजन के लिए, उक्त माल की जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना द्वारा उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है, निकालियों को हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

[सं० 105/80-सी० ई०]

जी० के० पिल्लै, सचिव

G.S.R. 352(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 89/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts goods, falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said goods), in respect of the first clearances of the said goods for home consumption by or on behalf of a manufacturer from one or more factories upto a value not exceeding rupees thirty lakhs, cleared on or after the 1st day of April in any financial year, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that during the period commencing on the 19th day of June, 1980 and ending on the 31st day of March, 1981, the value of clearances of the said goods eligible for exemption under this notification shall be subject to the following conditions, namely:—

(i) The aggregate of the value of clearances eligible for exemption contained in this notification during the aforesaid period, and the clearances, if any, already effected by or on behalf of a manufacturer in terms of the exemption contained in the notification No. 89/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, aforesaid, during the period commencing on the 1st day of April, 1980 and ending on the 18th day of June, 1980, shall not exceed rupees thirty lakhs; and

(ii) The value of clearances eligible for exemption contained in this notification during the aforesaid period commencing on the 19th day of June, 1980 and ending on the 31st day of March, 1981 shall in no case, exceed rupees twenty-four lakhs:

Provided further that an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the sum total of the value of the capital investment made from time to time on plant and machinery installed in the industrial unit in which the said goods, under clearance, are manufactured, is not more than rupees ten lakhs.

2. Where a factory producing the said goods is run at different times during a financial year by different manufacturers, the total value of clearances of the said goods from such factory eligible for exemption under this notification in such year shall not exceed rupees thirty lakhs.

3. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer, if the total value of the said goods cleared, if any, for home consumption by him or on his behalf from one or more factories in the preceding financial year exceeded rupees thirty lakhs.

Explanation I.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.

Explanation II.—In this notification, the expression 'factory' has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

Explanation III.—For the purpose of computing the value of clearances under this notification, the clearances of the said goods, which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon by any other notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and for the time being in force, shall not be taken into account.

[No. 105/80-CE]

G. K. PILLAI, Under Secy.

अधिसूचना

तारीख, 19 जून, 1980

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां०कां०सं० 353(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व और बीमा विभाग या राजस्व विभाग की प्रत्येक अधिसूचना जो इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति में, यथास्थिति, संशोधित या और संशोधित की जाएगी।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	116/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 मार्च, 1969	उक्त अधिसूचना में, "उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देनी है जितना बीस प्रतिशत मूल्यानुसार में अधिक है, अर्थात्:—" शब्दों के स्थान पर "उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है।" शब्द रखे जाएंगे।
2.	42/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1976	उक्त अधिसूचना में उपाबद्ध सारणी में, क्रम सं० 5 के सामने स्तम्भ (3) की प्रविष्टि के स्थान पर "मूल्य का दस प्रतिशत" प्रविष्टि रखी जाएगी।
3.	118/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1979	उक्त अधिसूचना में, "जितना बीस प्रतिशत मूल्यानुसार से अधिक है" शब्दों के स्थान पर "जितना मूल्य का दस प्रतिशत से अधिक है" शब्द रखे जाएंगे।
4.	170/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1979	उक्त अधिसूचना में उपाबद्ध सारणी में, क्रम सं० 2 की उपमद (2)(क) के सामने स्तम्भ (4) की प्रविष्टि के स्थान पर "मूल्य का पचास प्रतिशत" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं० 106/80-सी०ई०]

जी० पी० सुधीर, सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 1980

CENTRAL EXCISES

G. S. R. 353 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue, as the case may be, specified in Column (2) of the

Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1.	116/69-Central Excises, dated the 3rd May, 1969.	In the said notification, for the words and figures "from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of 2-1/2 per cent ad valorem, namely :—" the words "from the whole of the duty of excise leviable thereon." shall be substituted.
2.	42/76-Central Excises, dated the 1st March, 1976.	In the Table annexed to the said notification, for the entry in column (3) against Serial No. 5, the entry "10 per cent. ad valorem." shall be substituted.
3.	118/79-Central Excises, dated the 16th March, 1979	In the said notification, for the words "as is in excess of twenty per cent. ad valorem", the words "as is in excess of ten per cent. ad valorem". shall be substituted.
4.	170/79-Central Excises, dated the 24th April, 1979.	In the Table annexed to the said notification, against Serial No. 2, in sub-item (2) (a), in column (4), for the entry, the entry "Five per cent. ad valorem". shall be substituted.

[No. 106/80-C.E.]

A. P. SUDHIR, Under Secy.

नई दिल्ली, जून, 1986

अधिसूचना

कन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सांकांमि० 354 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निवेदन देती है कि भारत सरकार के यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग या राजस्व और बीमा विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचनाएं जो इसमें उपाबद्ध मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में की नत्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, संशोधित या और संशोधित की जाएंगी।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तिथि	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	39/73-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क तारीख 1 मार्च, 73	उक्त अधिसूचना में,— (1) पैरा 1क का खोप किया जाएगा; (2) स्पष्टीकरण को उसके स्पष्टीकरण 1 के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित

(1)	(2)	(3)
		स्पष्टीकरण 1 के पश्चात् निम्न- लिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
		"स्पष्टीकरण 2—पूँजी विनिधान का अवधारण करने समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।"
2.	160/77-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 18 जून, 1977	उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :— "स्पष्टीकरण—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करने समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।"
3.	163/77-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क तारीख 18 जून, 1977	इस अधिसूचना में स्पष्टीकरण के लिए, निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा अर्थात् :— "स्पष्टीकरण—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करने समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।"
4.	208/77-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 2 जुलाई, 1977	उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :— "स्पष्टीकरण—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।”			(ii) Explanation shall be numbered as Explanation I thereof, and after Explanation I as so numbered, the following Explanation shall be inserted, namely:
5. 74/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क	उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण 1 के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा अर्थात् :—	“स्पष्टीकरण 1—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।”			“Explanation II.—While determining the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”
6. 79/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978	उक्त अधिसूचना में, दूसरे परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	“स्पष्टीकरण—पूँजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि का अवधारण करते समय, उस समय जब ऐसा विनिधान किया गया था, विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा किन्तु ऐसे संयंत्र और मशीनरी पर जो किसी औद्योगिक एकक से स्थायी तौर पर हटा दी गई है या किसी प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य ऐसे अवधारण से अपवर्जित कर दिया जाएगा।”	2. 160/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.	In the said notification, for the Explanation the following Explanation shall be substituted, namely:—	“Explanation.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”
		[सं० 107/80-सी० ई०] जी०के० पिल्लै, प्रवर सचिव	3. 163/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.	In this notification for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely:—	“Explanation.—While determining the sum-total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”

G.S.R. 354 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance) or Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. Notification number No. and date	Amendment
(1)	(2)
(1)	(3)
1. 39/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973.	In the said notification— (i) paragraph 1A shall be omitted;

(1)	(2)	(3)
4. 208/77-Central Excises, dated the 2nd July, 1977.	In the said notification, for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely:—	<p>“Explanation.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”</p>
5. 74/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978.	In the said notification, for Explanation I, the following Explanation shall be substituted, namely:—	<p>“Explanation I.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”</p>
6. 79/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979.	In the said notification, after the second proviso, the following Explanation shall be inserted, namely:—	<p>“Explanation.—While determining the sum total of the value of the capital investment, only the face value of the investment at the time when such investment was made shall be taken into account, but the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently from the industrial unit or rendered unfit for any use shall be excluded from such determination.”</p>

[No. 107/80-C.E.]

G. K. PILLAI, Under Secy.

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 19 जून 1980

सांका०नि० 355 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेदन देती है कि भारत सरकार के, यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग या राजस्व विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की प्रत्येक अधिसूचना में, जो इससे उपायुक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शीति से, यथास्थिति, संशोधन या और संशोधन किया जाएगा।

सारणी

क्रम अधिसूचना सं० और तारीख सं०	संशोधन	
(1)	(2)	(3)
1. 70/76-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976	उक्त अधिसूचना में तृतीय परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	<p>“2. इस अधिसूचना की कोई बात कागज बोर्ड के ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 180-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 या सं० 180-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 के अधीन छूट का लाभ उठाता है।”</p>
2. 93/76-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976	उक्त अधिसूचना से उपायुक्त अनुसूची में, मब 12 के पश्चात् निम्नलिखित मब अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्	<p>“13. विद्युत लोड डिस्पेच केन्द्र।”</p>
3. 211/76-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 17 जुलाई, 1976	उक्त अधिसूचना में “मब सं० 16ख (i) शब्द, अक्षरों, अंकों और कोष्ठकों के स्थान पर “मब सं० 16ख” शब्द, अक्षर और अंक रखे जाएंगे।	
4. 128/77-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 18 जून, 1977	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—	<p>“2. इस अधिसूचना की कोई बात कागज के ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 180-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 19 जून, 1980 या सं० 180-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 19 जून, 1980 के अधीन छूट का लाभ उठाता है।”</p>
5. 56/78-केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1978	उक्त अधिसूचना से उपायुक्त अनुसूची में, मब 12 के पश्चात् निम्नलिखित मब अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्	<p>“13. विद्युत लोड डिस्पेच केन्द्र।”</p>

[सं० 108/80-सी०ई०]

NOTIFICATIONS

New Delhi the 19th June 1980

G. S. R. 355 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance or Department of Revenue) or the Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. and date	Amendment
1	2	3
1.	70/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976.	In the said notification, after the third proviso, the following "shall be inserted, namely :— "2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer of paper board who avails of the exemption under the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 or No. 89/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980."
2.	93/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976.	In the Schedule annexed to the said notification, after item 12, the following item shall be inserted, namely:— "13. Electricity load despatch centres."
3.	211/76-Central Excises, dated the 17th July, 1976.	In the said notification, for the word, letters, figures and brackets "item No. 16B(i), the word, letters and figures "Item No. 16B" shall be substituted.
4.	128/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.	In the said notification, after the proviso, the following shall be inserted, namely:— "2. Nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer of paper who avails of the exemption under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 80/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980 or No. 89/80-Central Excises, dated the 19th June, 1980."

1	2	3
5.	56/78-Central Excises, dated the 1st March, 1978.	In the Schedule annexed to the said notification, after item 12, the following item shall be inserted, namely:— "13. Electricity load despatch centres."

[No. 108/80-C.E.]

संका० नि० 356 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के, भूतत्स्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग, राजस्व और बीमा विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की प्रत्येक अधिसूचना में, जो इससे उपायद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की नस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, संशोधन या और संशोधन किया जायगा।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	103/61-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अप्रैल, 1961 187/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 नवम्बर, 1962 67/63-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 4 मई, 1963 14/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 फरवरी, 1965 144/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 4 सितम्बर, 1965 167/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 जून, 1969 48/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1970 17/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मार्च, 1971 18/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मार्च, 1971 112/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 174/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 सितम्बर, 1971 148/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मई, 1976 82/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1978	उक्त प्रत्येक अधिसूचना के अन्त में निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :— "परन्तु यह तब जब कि इस अधिसूचना के अधीन छूट की बाबत, पूर्वोक्त नियमों के नियम 56क में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।"
2.	213/63-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 दिसम्बर, 1963	उक्त अधिसूचना के प्रथम पैरा में, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :— "परन्तु यह तब जब कि इस अधिसूचना के अधीन छूट की बाबत, पूर्वोक्त नियमों के नियम 56क में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।"

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
3. 71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1971	उक्त अधिसूचना के प्रथम परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो आधारी कागज या कागज बोर्ड पर संदत शुल्क की बाबत पूर्वांकित नियमों के नियम 56क के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।”	उक्त अधिसूचना के प्रथम परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो आधारी कागज या कागज बोर्ड पर संदत शुल्क की बाबत पूर्वांकित नियमों के नियम 56क के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।”	2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1980 को प्रवृत्त होगी।		[सं० 109/80-सी०ई०]
70/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 71/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 72/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 70/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 186/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 सितम्बर, 1973 50/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1975 197/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 23 जून, 1977 117/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मई, 1978	उक्त प्रत्येक अधिसूचना में, प्रथम परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु यह तब जब कि इस अधिसूचना के अधीन छूट की बाबत, पूर्वांकित नियमों के नियम 56क में उपवर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।”	उक्त प्रत्येक अधिसूचना में, प्रथम परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु यह तब जब कि इस अधिसूचना के अधीन छूट की बाबत, पूर्वांकित नियमों के नियम 56क में उपवर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।”	G. S. R. 356 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue, Department of Revenue and Insurance) or the Department of Revenue and Banking, as the case may be specified in column (2) of the table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.	TABLE	
Sl. No.	Notification No. and date	Amendment	(1)	(2)	(3)
1.	103-61-Central Excises, dated the 20th April, 1961.	In each of the said notifications, the following proviso shall be inserted at the end, namely:— “Provided that in relation to the exemption under this notification, the procedure set out in rule 36A of the aforesaid rules is followed.”	103-61-Central Excises, dated the 20th April, 1961.		
	187/62-Central Excises, dated the 3rd November, 1962.		187/62-Central Excises, dated the 3rd November, 1962.		
	67/63-Central Excises, dated the 4th May, 1963.		67/63-Central Excises, dated the 4th May, 1963.		
	14/65-Central Excises, dated the 20th February, 1965.		14/65-Central Excises, dated the 20th February, 1965.		
	144/65-Central Excises, dated the 4th September, 1965.		144/65-Central Excises, dated the 4th September, 1965.		
	167/69-Central Excises, dated the 21st June, 1969.		167/69-Central Excises, dated the 21st June, 1969.		
	48/70-Central Excises, dated the 1st March, 1970.		48/70-Central Excises, dated the 1st March, 1970.		
	17/71-Central Excises, dated the 27th March, 1971.		17/71-Central Excises, dated the 27th March, 1971.		
	18/71-Central Excises, dated the 27th March, 1971.		18/71-Central Excises, dated the 27th March, 1971.		
	112/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.		112/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.		
	174/71-Central Excises, dated the 18th September, 1971.		174/71-Central Excises, dated the 18th September, 1971.		
	148/76-Central Excises, dated the 1st May, 1976.		148/76-Central Excises, dated the 1st May, 1976.		
	82/78-Central Excises, dated the 17th March, 1978.		82/78-Central Excises, dated the 17th March, 1978.		
5. 76/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो उक्त स्लैब पर संदत शुल्क की बाबत पूर्वांकित नियमों के नियम 56क के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।”	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जो उक्त स्लैब पर संदत शुल्क की बाबत पूर्वांकित नियमों के नियम 56क के अधीन विहित विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है।”			
6. 77/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक का लोप किया जायगा।	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक का लोप किया जायगा।			
7. 144/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 7 जून, 1975	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु यह तब जब कि इस अधिसूचना के अधीन छूट की बाबत, पूर्वांकित नियमों के नियम 56क में उपवर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।”	उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई			
8. 184/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मई, 1976 71/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 अप्रैल, 1977	उक्त प्रत्येक अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई	उक्त प्रत्येक अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:— “परन्तु इस अधिसूचना की कोई			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
2. 213/63-Central Excises, dated the 28th December, 1963.	In the said notification in the first paragraph, the following proviso shall be inserted, namely:— “Provided that in relation to the exemption under this notification, the procedure set out in rule 56A of the aforesaid rules is followed.”		8. 184/76-Central Excises, dated the 27th May, 1976. 71/77-Central Excises, dated the 28th April, 1977.	In each of the said notifications, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:— “Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the aforesaid rules in respect of the duty paid on base paper or paper board.”	
3. 46/71-Central Excises, dated the 24th April, 1971.	In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:— “Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the aforesaid rules in respect of the duty paid on base paper or paper board.”		2. This notification shall come into force on the 1st day of August, 1980.		
4. 70/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971. 71/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971. 72/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971. 70/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973. 186/73-Central Excises, dated the 28th September, 1973. 50/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975. 197/77-Central Excises, dated the 23rd June, 1977. 117/78-Central Excises, dated the 1st May, 1978.	In each of the said notifications, the following proviso shall be inserted, namely:— “Provided further that in relation to the exemption under this notification, the procedure set out in rule 56A of the aforesaid rules is followed.”		[No. 109/80-CE]		
5. 76/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.	In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:— “Provided that nothing contained in this notification shall apply to a manufacturer who avails of the special procedure prescribed under rule 56A of the aforesaid rules in respect of the duty paid on the said scrap.”		सांकां. 357 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 95/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:— उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड सारणी में, क्रम सं० 9 के और उसके संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अस्तित्वस्थित किया जायगा, अर्थात्:—		
6. 77/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.	In the said notification, the proviso shall be omitted.		सारणी		
7. 144/75-Central Excises, dated the 17th June, 1975.	In the said notification for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:— “Provided that in relation to the exemption under this notification the procedure set out in rule 56A of the aforesaid rules is followed.”		(1)	(2)	(3)
			(4)	(5)	
			“10.	18ग	स्टार्च
			11.	11क	पेट्रोलियम कोक
			12.	33अ	तांबे के नंगे तार
			13.	33अ	एल्युमिनियम के नंगे तार
			14.	30	विद्युत मोटर, रोटर स्टेटर
			15.	30	रोटर और स्टेटर, 29क(3) कम्प्रेसर
			16.	30	विद्युत मोटर, रोटर, 33 बिजली के पंचे स्टेटर
			17.	30	विद्युत मोटर, रोटर, 33ग घरेलू विद्युत साधन, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट नहीं हैं।”
			2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1980 को प्रवृत्त होगी।		
			[सं० 110/80-सी०ई०]		
			G. S. R. 357 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.95/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979. namely:—		

In the Table annexed to the said notification, after S. No. 9 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

TABLE

1	2	3	4	5
10.	15C	Starch	1E	Glucose and Dextrose.
11.	11A	Petroleum Coke	11C	Calcined petroleum coke.
12.	33B	Bare copper wires	26A	Strips or other manufactures of copper.
13.	33B	Bare aluminium wire	27	Aluminium strips in any form or size.
14.	30	Electric motors, rotors, stators.	29A	Refrigerators, airconditioners, and refrigerating and air conditioning appliances and machinery.
15.	30	Rotors and Stators.	29A(3)	Compressors.
16.	30	Electric motors, rotors, stators.	33	Electric fans.
17.	30	Electric motors, rotors, stators.	33C	Domestic electrical appliances, not elsewhere specified."

2. This notification shall come into force on the 1st day of August, 1980.

[No. 110/80-CE]

सांकांनि 358(प्र).—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरक्षण उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के, यथास्थिति, राजस्व और बैंकिंग विभाग अथवा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना में, जो इससे उदाहरण के रूप में (2) में विनिर्दिष्ट है, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में का तत्कालीन प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से और संशोधन किया जावेगा।

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
1	2	3
1.	136/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977	उक्त अधिसूचना के प्रथम परन्तुक में, खंड (iii) का शेष किया जाएगा।
2.	226/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 15 जुलाई, 1977	उक्त अधिसूचना के प्रथम परन्तुक में, खंड (vi) का शेष किया जाएगा।

2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1980 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 111/80-सी०ई०]

G. S. R. 358 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of special importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue and Banking or the Ministry of Finance (Department of Revenue), as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. and Date	Amendment
1.	136/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.	In the said notification, in the first proviso, clause (iii) shall be omitted.
2.	226/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977.	In the said notification, in the first proviso, clause (vi) shall be omitted.

2. This notification shall come into force on the 1st day of August, 1980.

[No. 111/80-CE]

सांकांनि 359(प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विखण्डित करती है, अर्थात्:—

1. सं० 348/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 दिसम्बर, 1977।

2. सं० 86/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979।

[सं० 112/80-सी०ई०]

G.S.R. 359(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), namely:—

1. No. 348/77-Central Excises, dated the 16th December, 1977.

2. No. 86/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979.

[No. 112/80-CE]

सांकांनि 360(प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के, यथास्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग या राजस्व और बैंकिंग विभाग) अथवा राजस्व और बैंकिंग विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विखण्डित करता है, अर्थात्:—

1. अधिसूचना सं० 174/61-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 नवम्बर, 1961

2. अधिसूचना सं० 181/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अक्टूबर, 1962

3. अधिसूचना सं० 183/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 अक्टूबर, 1962

4. अधिसूचना सं० 208/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 दिसम्बर, 1962

5. अधिसूचना सं० 209/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 दिसम्बर, 1962
6. अधिसूचना सं० 21/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 फरवरी, 1965
7. अधिसूचना सं० 60/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मार्च, 1965
8. अधिसूचना सं० 124/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 अगस्त, 1965
9. अधिसूचना सं० 75/67-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मई, 1967
10. अधिसूचना सं० 24/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1969
11. अधिसूचना सं० 34/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1969
12. अधिसूचना सं० 106/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 अप्रैल, 1969
13. अधिसूचना सं० 73/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
14. अधिसूचना सं० 74/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
15. अधिसूचना सं० 93/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
16. अधिसूचना सं० 67/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976
17. अधिसूचना सं० 130/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 मार्च, 1976
18. अधिसूचना सं० 137/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 30 मार्च, 1976
19. अधिसूचना सं० 155/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मई, 1976
20. अधिसूचना सं० 167/77-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977
21. अधिसूचना सं० 56/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979
22. अधिसूचना सं० 166/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 19 अप्रैल, 1979

2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1980 को प्रवृत्त होगी।

[सं० 113/80-सी०ई०]

टी० आर० रुस्तगी, अवर सचिव

G.S.R. 360(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance,

(Department of Revenue or Department of Revenue and Insurance) or Department of Revenue and Banking, as the case may be, namely :—

1. Notification No. 174/61-Central Excises, dated the 28th November, 1961.
2. Notification No. 181/62-Central Excises, dated the 20th October, 1962.
3. Notification No. 183/62-Central Excises, dated the 20th October, 1962.
4. Notification No. 208/62-Central Excises, dated the 1st December, 1962.
5. Notification No. 209/62-Central Excises, dated the 1st December, 1962.
6. Notification No. 21/65-Central Excises, dated the 27th February, 1965.
7. Notification No. 60/65-Central Excises, dated the 27th March, 1965.
8. Notification No. 124/65-Central Excises, dated the 14th August, 1965.
9. Notification No. 75/67-Central Excises, dated the 20th May, 1967.
10. Notification No. 24/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
11. Notification No. 34/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
12. Notification No. 106/69-Central Excises, dated the 3rd April, 1969.
13. Notification No. 73/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.
14. Notification No. 74/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.
15. Notification No. 93/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.
16. Notification No. 67/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976.
17. Notification No. 130/76-Central Excises, dated the 27th March, 1976.
18. Notification No. 137/76-Central Excises, dated the 30th March, 1976.
19. Notification No. 155/76-Central Excises, dated the 1st May, 1976.
20. Notification No. 167/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977.
21. Notification No. 56/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979.
22. Notification No. 166/79-Central Excises, dated the 19th April, 1979.

2. This notification shall come into force on the 1st day of August, 1980.

[No. 113/80-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.